TV उत्तरशक्ति NEWS

मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 9 अंक 57
शुक्रवार, 04 सितम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एकः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 03 सितम्बर। पश्चिम एशिया संकट के बाद जहां वैश्विक ऑटोमोबाइल सेक्टर कराह रहा है, वहीं भारतीय बाजार में पैसेंजर कारों व दोपहिया वाहनों की बिक्री ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। ऐसे में पीएम नरेन्द्र मोदी ने ऑटो उद्योग से आह्वान किया है कि वह मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का पूरा लाभ उठाए और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए साहसिक कदम उठाए।

पीएम मोदी गुरुवार को सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम-रक्अट) के वार्षिक समारोह में भेजे संदेश में कहा कि भारत की मोबिलिटी सेक्टर ऊर्जा दक्षता, ऊर्जा विविधीकरण, प्रौद्योगिकी और उन्नत विनिर्माण से प्रेरित परिवर्तन से गुजर रही है। ऐसे में इस उद्योग की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। इस समारोह में भारत की सभी दिग्गज आटो कंपनियों ने अपनी दशा व दिशा पर आपस में और सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ विमर्श किया।

पीएम मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक रहा है। अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ मोबिलिटी की मांग भी बढ़ रही है। राजमार्गों और अन्य बुनियादी ढांचे का तेजी से विस्तार लोगों और सामानों की आवाजाही को आसान बना रहा है तथा आटो उद्योग के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है। पीएम मोदी ने जोर दिया कि बेहतर कनेक्टिविटी और कुशल लॉजिस्टिक्स से लागत घट रहा है व मैन्यूफैक्चरिंग लगातार प्रतिस्पर्द्धी होती जा रही है। इससे ऑटो सेक्टर मजबूत हो रहा है और देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान दे रहा है।

पीएम के संदेश से पहले सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने आंकड़ों के साथ बताया कि कैसे आटो उद्योग देश की आर्थिक वृद्धि का प्रमुख चालक बना हुआ है। क्षेत्र का कुल

योगदान देश की इकोनमी में 22.75 लाख करोड़ रुपये सालाना से अधिक है और यह देश के जीएसटी संग्रह का करीब 15 प्रतिशत हिस्सा देता है। उद्योग प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 3 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार देता है तथा कई औद्योगिकी क्षेत्रों की सेहतर सीधे तौर पर इससे जुड़ी हुई है।

वित्त वर्ष 2025-26 में यात्री वाहन खंड ने 46 लाख यूनिट की अब तक की सर्वाधिक बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष से 7.9 प्रतिशत अधिक है। इस श्रेणी से निर्यात भी 9.1 लाख यूनिट के उच्चतम स्तर पर पहुंचा, जिसमें 17.5 प्रतिशत वृद्धि हुई।

सियाम के सालाना सम्मेलन के एक अन्य सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि सरकार अक्टूबर 2027 से भारत एनसीएपी 2.0 लागू करेगी। एनसीएपी यानी भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम वर्ष 2023 में सरकार की तरफ से लांच प्रोग्राम है वाहनों को उनकी सुरक्षा के आधार पर रेटिंग करती है। यह कारों (3.5 टन तक) की क्रैश करके उन्हें शून्य से पांच के बीच रेटिंग देती है।

सरकार की मंशा इस व्यवस्था को और सख्त बनाने की है ताकि कार कंपनियों भारत में भी ज्यादा सुरक्षित वाहनों का निर्माण करें। गडकरी ने कहा कि नई व्यवस्था मौजूदा व्यवस्था की पूरी समीक्षा के आधार पर तैयार होगी जो देश में सड़क दुर्घटनाओं की गंभीर समस्या से निपटने में मदद मिलेगी।

इसके साथ ही गडकरी ने यह भी बताया कि जनवरी 2027 से नए स्वच्छ ईंधन मानक भी लागू होंगे।

गडकरी ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा यात्री वाहन बाजार है। यहां वाहन परीक्षण का समय और लागत वैश्विक स्तर के 2.5 करोड़ रुपये की तुलना में काफी कम है। उन्होंने आगे कहा कि, हर साल पांच लाख दुर्घटनाएं होती हैं और 1.80 लाख मौतें होती हैं। ज्यादातर पीड़ित 18-36 वर्ष आयु वर्ग के हैं। ये आंकड़े किसी भी कीमत पर कम करने होंगे।

भारत एनसीएपी 2.0 के तहत भारतीय स्टार्टअप्स द्वारा विकसित नई तकनीकों का उपयोग होगा। ड्राइवर व्यवहार सुधारने के लिए लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाणपत्र में ग्रेडेड प्वाइंट सिस्टम लाया जाएगा। वाहन नियमों को तोड़ने संबंधी अपराधों पर अंक कटेंगे और एक निश्चित सीमा पार करने पर लाइसेंस निलंबित या रद्द करने की व्यवस्था होगी। जबकि अच्छे ड्राइवरों को बीमा कंपनियों से प्रोत्साहन मिलेगा।

विरासत से जुड़कर ही विकसित राष्ट्र बनने का सपना पूरा कर सकता है भारत : योगी

मथुरा, 03 सितम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपनी विरासत से जुड़कर ही विकसित राष्ट्र बनने का सपना पूरा कर सकता है। मुख्यमंत्री ने मथुरा में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासनकाल में राज्य में बड़ा बदलाव आया है और अब यहां दंगों व अशांति के डर के बजाय पर्व और त्योहार मनाए जाते हैं। योगी ने आरोप लगाया कि लंबे समय तक विकास को केवल सड़क, बिजली, पानी, इमारतों और उद्योगों के नजरिये से देखा गया जबकि विरासत की अनदेखी की गई।

उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर विरासत का अपमान होता रहा और इतिहास के नायकों को भारत की स्मृतियों से मिटाने के प्रयास किए गए। योगी ने

मथुरा के इतिहास और मंदिरों पर हुए कथित हमलों का जिक्र करते हुए कहा कि बार-बार हुए हमलों के बावजूद सनातन परंपराएं कायम रहीं। उन्होंने कहा, विदेशी आक्रांताओं ने मंदिरों को नष्ट कर दिया लेकिन क्या वे श्रीकृष्ण की याद को मिटा पाए? क्या वे राधा रानी की याद को मिटा पाए? क्या जन्माष्टमी का उत्सव रुका? क्या वृंदावन में भक्ति रुकी? क्या बरसाना की होली रुकी? क्या गोवर्धन परिक्रमा रुकी? नहीं। यही हमारा सनातन है। यही ब्रज की ताकत है। मुख्यमंत्री ने अयोध्या का उदाहरण देते हुए दावा किया कि राम मंदिर का निर्माण लंबे सभ्यतागत संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने कहा, ये परंपराएं जारी रहीं, सनातन की भावना के साथ आगे बढ़ीं और संघर्ष के लिए नया जोश पैदा किया। नतीजा यह है कि आज अयोध्या में एक भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। योगी ने कहा कि विरासत केवल स्मारकों तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा, विरासत हमारे मंदिरों, हमारी भाषा, हमारे साहित्य, हमारे संगीत, हमारी कला, हमारे दर्शन, गणित, विज्ञान, चिकित्सा, कौशल और ज्ञान, हमारी लोक परंपराओं और हमारी ज्ञान परंपरा में बसी है। मुख्यमंत्री ने कहा, हमारा संदेश बहुत स्पष्ट है। भारत अपनी विरासत से जुड़कर ही विकसित राष्ट्र बनने का सपना पूरा करेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों के प्रवेश पर रोक के खिलाफ याचिका की खारिज

नयी दिल्ली, 03 सितम्बर। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान और उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पत्रकारों, यूट्यूबर्स, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और नागरिक समाज के सदस्यों के प्रवेश पर संबंधित शिक्षा विभागों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका (पीआईएल) खारिज कर दी है। इस याचिका का खारिज होना इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हाल ही में राजस्थान में स्कूल ठीक करो अभियान के तहत एक सरकारी स्कूल का निरीक्षण करने गए कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के कार्यकताओं पर हमला हुआ था। न्यायालय पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने प्रिया मिश्रा की ओर से दायर संबंधित याचिका खारिज कर दी।

पीठ ने अपने एक सितंबर के आदेश में कहा, हम भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत दायर इस रिट याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। इस जनहित याचिका में सरकारी स्कूलों में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, साक्षात्कार, ऑडियो रिकॉर्डिंग और लाइव-स्ट्रीमिंग पर लगाए गए प्रतिबंधों को भी चुनौती दी गई थी। इसमें विशेष रूप से राजस्थान के माध्यमिक शिक्षा निदेशक द्वारा 16 अगस्त को जारी एक परिपत्र को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत बाहरी लोगों को सरकारी स्कूल के परिसर में प्रवेश करने से पहले प्राचार्य से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य किया गया है। इस परिपत्र के अनुसार, फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, साक्षात्कार ऑडियो रिकॉर्डिंग और लाइव-स्ट्रीमिंग के लिए भी पहले से लिखित अनुमति लेना आवश्यक है। याचिका में अयोध्या के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के 19 अगस्त के उस आदेश को भी चुनौती दी गई थी, जिसमें कहा गया था कि बाहरी लोग, यूट्यूबर और सोशल मीडिया से जुड़े लोग सक्षम अधिकारी की मंजूरी के बिना काउंसिल स्कूलों में न तो प्रवेश करें और न ही फोटो लें या वीडियो बनाएं। इसमें यह भी कहा गया था कि उत्तर प्रदेश के अन्य जिलों में भी ऐसे ही आदेश जारी किए गए हैं।

हिटमैन का भविष्य सुरक्षितः रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलों पर फिर आया बीसीसीआई का बयान

मुंबई, 03 सितम्बर। रोहित शर्मा के वनडे करियर को लेकर पिछले कुछ समय से उठ रहे सवालों के बीच बीसीसीआई ने अपना रुख साफ कर दिया है। बोर्ड ने न सिर्फ अनुभवी बल्लेबाज के प्रदर्शन पर भरोसा जताया, बल्कि भारतीय क्रिकेट के अगले एक साल की रणनीति भी तय करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। वहीं, डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की नियुक्ति और चयन समिति में बदलाव जैसी चचाओं को भी बीसीसीआई ने खारिज कर दिया। मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में गुरुवार को हुई हाई-लेवल प्रदर्शन समीक्षा बैठक के बाद सचिव देवजीत सैकिया ने रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को पूरी तरह खारिज कर दिया। सैकिया ने कहा, 'वह सभी

मैचों में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। फिर आपको और क्या चाहिए? पिछले मैच में उन्होंने 138-148 रन बनाए थे। तो फिर अटकलें क्यों लगाई जा रही हैं? मैं अटकलें लगाने वालों को इस तरह की चचाओं को बढ़ावा देने का मौका नहीं देना चाहता।' बीसीसीआई सचिव का यह बयान ऐसे समय आया है जब रोहित के 2027 वनडे विश्व कप में खेलने को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। बोर्ड के इस रुख से फिलहाल साफ संकेत मिलता है कि रोहित को वनडे योजनाओं से बाहर करने का कोई तत्काल फैसला नहीं लिया गया है।

बीसीसीआई की यह लंबे समय से लंबित प्रदर्शन समीक्षा बैठक गुरुवार को हुई। इसमें टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर, टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, मुख्य कोच गौतम गंभीर और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण शामिल हुए। बैठक में बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास, सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया और अंतरिम सीईओ हेमांग अमीन भी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य हालिया विदेशी दौरों के प्रदर्शन की समीक्षा करना और 2027 वनडे विश्व कप तक की रणनीति तैयार करना था। सैकिया ने बताया कि टीम के लिए अगले एक साल का रोडमैप तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा, 'हमने चर्चा की और मुख्य रूप से यह देखा कि इंग्लैंड और आयरलैंड में हमारी टीम का प्रदर्शन कैसा रहा। साथ ही हमने यह भी विचार किया कि अगले एक साल में हमें क्या करना है। रोडमैप तैयार कर लिया गया है और हम कुछ ऐसी योजनाओं पर काम करेंगे, जिससे 2027 विश्व कप में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहे।'

भारत के लिए हालिया इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे उम्मीद के मुताबिक नहीं रहे थे। टीम को इन दौरों पर टी20 और वनडे मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा था। सैकिया ने माना कि टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और इसके कारणों की समीक्षा जरूरी थी।

तेलंगाना की वन मंत्री कोंडा सुरेखा को बेटी की टिप्पणी पड़ी भारी, सीएम रेड्डी ने मंत्रिमंडल से निकाला

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को अपनी कैबिनेट सहयोगी कोंडा सुरेखा को तुरंत प्रभाव से मंत्रिपरिषद से हटाने का फैसला किया। यह कदम महिला नेता की बेटी द्वारा मुख्यमंत्री और अन्य नेताओं के खिलाफ की गई टिप्पणियों पर हुए विवाद के बाद उठाया गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस बारे में गवर्नर शिव प्रताप शुक्ला को सिफारिश की गई है। राज्य की वन और बंदोबस्त मंत्री सुरेखा विवादों में घिर गई हैं।

अवकाश

कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर उत्तरशक्ति का कार्यालय आज बंद रहेगा।

-संपादक

खड़गे ने जेपी नड्डा को याद दिलाई हल्द्वानी घटना, शुद्धिकरण पर एफआईआर दर्ज करने को कहा

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि वे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को निर्देश दें कि वे उन लोगों के खिलाफ FIR दर्ज कराएं जो पिछले महीने हल्द्वानी में खड़गे की रैली वाली जगह को कथित तौर पर शुद्ध करने में शामिल थे। खड़गे ने 2 सितंबर को लिखे पत्र में नड्डा को राज्यसभा में दिए गए उनके उस आश्वासन

की याद दिलाई, जिसमें उन्होंने कहा था कि इस घटना की जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

खड़गे ने हिंदी में लिखे अपने पत्र में कहा कि आपको याद होगा कि 13 अगस्त 2026 को राज्यसभा में, मैंने बहुत दुख और पीड़ा के साथ, 8 अगस्त 2026 को हल्द्वानी में हुई अपनी जनसभा के बाद छुआछूत से जुड़ी 'शुद्धिकरण' की घटना का मुद्दा उठाया था। खड़गे ने कहा कि मेरी बात के जवाब में आप सदन में खड़े हुए और कहा, 'महोदय, माननीय खड़गे जी ने जो कहा है, वह सचमुच बहुत दुखद विषय है। यह न केवल कांग्रेस पार्टी के लिए दुखद है, बल्कि हम सभी के लिए दुखद है। जो कुछ भी हुआ है, उसकी निश्चित रूप से जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि भारतीय जनता पार्टी ऐसी किसी भी गतिविधि का समर्थन नहीं करती है। मैं इसकी निंदा करता हूं और राष्ट्रीय अध्यक्ष भी इसकी पूरी जांच करेंगे। आपकी भावनाओं को जो ठेस पहुंची है, वह हम सभी के लिए खेद का विषय है। उन्होंने कहा कि नड्डा ने सदन को यह भी भरोसा दिलाया था कि जांच के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्यसभा के माननीय सभापति (सी.पी. राधाकृष्णन) ने भी इस घटना पर दुख जताया।

खड़गे ने कहा कि उन्हें हैरानी है कि घटना के 24 दिन बाद भी, इसमें कथित तौर पर शामिल संगठनों या व्यक्तियों के खिलाफ कोई FIR दर्ज नहीं की गई है।

Mob : 7559103199
SHREEJA PILES CLINIC
बिना ऑपरेशन 100% गॅरेंटी (आयुर्वेदिक क्षारसुत्र)
Dr. D.A. PATEL
B.A.M.S. (Mumbai)
CCK
Reg. No. I-87432-A-1
मुळव्याध PILES | भगंदर FISTULA | फिशर FISSURE
गाला नं.12, सरस्वती धाम, एस टी डेपो रोड, जीओ रिलायंस शॉप जवळ, नालासोपारा(प), ता. वसई, जि. पालघर.

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch: 101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch: Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW: 7738007373

शिक्षक दिवस- 5 सितम्बर 2026

शिक्षा कोरी नियुक्ति ही नहीं, मुक्ति का माध्यम बने

-ललित गर्ग

शिक्षक दिवस केवल शिक्षकों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि भारत की शिक्षा-दृष्टि, शिक्षक की भूमिका और भावी पीढ़ी के निर्माण पर गंभीर आत्ममंथन का दिन है। किसी राष्ट्र का भविष्य केवल उसके विद्यालयों की संख्या, भवनों की भव्यता, पुस्तकों की उपलब्धता या परीक्षाओं के परिणामों से निर्धारित नहीं होता, बल्कि इस बात से तय होता है कि उसके विद्यालयों से निकलने वाला मनुष्य कितना ज्ञानवान, विवेकशील, संवेदनशील, चरित्रवान और उत्तरदायी है। इसलिए आज देश में केवल शिक्षा क्रांति की नहीं, बल्कि शिक्षक क्रांति की भी आवश्यकता है। यदि शिक्षा का स्वरूप बदलना है तो शिक्षा देने वाले व्यक्ति की चेतना, दृष्टि और कार्यशैली में भी परिवर्तन लाना होगा। पूरे देश में समान गुणवत्ता वाली शिक्षा की दिशा में प्रयास तभी सफल होंगे, जब प्रत्येक बच्चे को समान अवसर के साथ योग्य, संस्कारवान और प्रतिबद्ध शिक्षक मिलें। भारत की परंपरा में शिक्षा का अर्थ कभी केवल सूचना और रोजगार प्राप्त करना नहीं रहा। हमारी ज्ञान-परंपरा में गुरु वह था जो अज्ञान के अंधकार से ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता था। ह्यतमसो मा ज्योतिर्गमयह्न भारतीय शिक्षा-दृष्टि की मूल चेतना को भी व्यक्त करता है। विद्या वह है जो मनुष्य के भीतर विवेक जगाए, उसके आचरण को परिष्कृत करे, उसे आत्मसंयम सिखाए और समाज एवं राष्ट्र के प्रति उत्तरदायी बनाए। आज यदि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी, पद, वेतन और प्रतिस्पर्धा तक सीमित होता जा रहा है तो हमें शिक्षा की आत्मा को पुनः खोजने की आवश्यकता है।

शिक्षा के बदलते स्वरूप के साथ शिक्षक की भूमिका भी बदल रही है। कभी शिक्षा को सा विद्या या विमुक्तये अर्थात मुक्ति और आत्मविकास का माध्यम माना गया था, लेकिन आज अनेक बार उसका लक्ष्य केवल नियुक्ति प्राप्त करने तक सिमटता दिखाई देता है। ज्ञान का मूल्य इस आधार पर तय होने लगा है कि उससे कितनी आय और कितना ऊंचा पद प्राप्त किया जा सकता है। शिक्षित होने की आकांक्षा बढ़ी है, लेकिन सुशिक्षित और संस्कारित होने की आकांक्षा उसी अनुपात में नहीं बढ़ी। यह स्थिति केवल शिक्षा व्यवस्था की नहीं, बल्कि पूरे समाज की चिंता का विषय है। आज शिक्षा के व्यवसायीकरण ने इस संकट को और गहरा किया है। शिक्षा जहां मिशन और सामाजिक दायित्व होनी चाहिए थी, वहां कई स्थानों पर वह व्यवसाय का रूप लेती दिखाई देती है। जब ज्ञान की कीमत बाजार तय करने लगे और शिक्षक की सफलता केवल परिणाम तथा वेतन से मापी जाने लगे, तब शिक्षा के मानवीय और संस्कारात्मक पक्ष का कमजोर होना स्वाभाविक है। इसके साथ गुरु-शिष्य संबंधों में भी अनेक स्तरों पर दूरी दिखाई दे रही है। शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच दुर्व्यवहार, अनुशासनहीनता और हिंसा की घटनाएं हमें चेताती हैं कि केवल पाठ्यक्रम बदलने से शिक्षा का संकट समाप्त नहीं होगा। हमें संबंधों की संस्कृति, संवाद की परंपरा और पारस्परिक सम्मान को भी पुनर्जीवित करना होगा।

महान दार्शनिक और शिक्षक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन इस बात का उदाहरण है कि शिक्षक केवल पेशा नहीं, एक जीवन-दृष्टि हो सकता है। उन्होंने अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाए जाने की इच्छा व्यक्त की थी। तभी से 5 सितंबर देश में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनके जीवन से यह संदेश मिलता है कि शिक्षक का सम्मान केवल इसलिए नहीं कि वह पढ़ाता है, बल्कि इसलिए कि वह समाज की चेतना को दिशा देता है। वर्तमान समय में शिक्षक की भूमिका पहले से अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। विद्यार्थी के सामने आज पुस्तक के अतिरिक्त इंटरनेट, सामाजिक माध्यम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और असंख्य डिजिटल स्रोत उपलब्ध हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षक की उपयोगिता कम नहीं हुई, बल्कि और बढ़ी है। अब शिक्षक को केवल जानकारी देने वाला नहीं, बल्कि सही जानकारी और गलत सूचना में अंतर समझाने वाला मार्गदर्शक बनना होगा। उसे विद्यार्थी को यह सिखाना होगा कि ज्ञान का उपयोग किस उद्देश्य से और किस जिम्मेदारी के साथ किया जाए। तकनीक शिक्षा का विकल्प नहीं, शिक्षक के हाथ में एक प्रभावी साधन बननी चाहिए।

महात्मा गांधी ने सर्वांगीण विकास में आत्मा, मस्तिष्क, वाणी और कर्म के संतुलन को महत्व दिया था। स्वामी विवेकानंद के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के भीतर निहित शक्तियों को जागृत करना है। इन दोनों दृष्टियों को आज की शिक्षा व्यवस्था से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थी का मस्तिष्क ज्ञान से समृद्ध हो, हाथ कौशल से सक्षम हों, हृदय करुणा से भरा हो और चरित्र सत्य तथा ईमानदारी पर आधारित हो-यही वास्तविक सर्वांगीण शिक्षा है। केवल प्रतिभाशाली मनुष्य नहीं, बल्कि श्रेष्ठ मनुष्य बनाना शिक्षा का लक्ष्य होना चाहिए। आचार्य महाप्रज्ञ ने व्यक्तित्व-निर्माण को अत्यंत कठिन कार्य माना और इसके लिए निःस्वार्थ तथा जागरूक शिक्षक की आवश्यकता बताई। वास्तव में शिक्षक का सबसे प्रभावी पाठ उसकी पुस्तक नहीं, उसका अपना जीवन होता है। विद्यार्थी शिक्षक की कही बात से अधिक उसके व्यवहार को ग्रहण करता है। शिक्षक सत्यनिष्ठ है तो सत्य का संस्कार देता है, समय का सम्मान करता है तो अनुशासन सिखाता है, विनम्र है तो विनम्रता पैदा करता है और अपने कर्तव्य के प्रति समर्पित है तो समर्पण का उदाहरण बनता है। इसलिए शिक्षक प्रशिक्षण केवल नई शिक्षण पद्धतियों और तकनीकों तक सीमित नहीं होना चाहिएय उसमें चरित्र, संवेदनशीलता, संवाद-कौशल, मानसिक संतुलन, नैतिक नेतृत्व और भारतीय मूल्य-दृष्टि का भी प्रशिक्षण होना चाहिए। शिक्षा को केवल परीक्षा और अंकों के दायरे से बाहर निकालना भी समय की मांग है। अच्छे अंक प्राप्त करना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन अच्छे अंक अच्छे मनुष्य होने की गारंटी नहीं हैं। राष्ट्र को कुशल वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता और प्रबंधक जितने चाहिए, उतने ही ईमानदार नागरिक, संवेदनशील परिवारजन, जिम्मेदार सामाजिक कार्यकर्ता और विवेकशील नेतृत्वकर्ता भी चाहिए। इसलिए मूल्यांकन में ज्ञान के साथ रचनात्मकता, समस्या-समाधान, सहयोग, सामाजिक संवेदना, नैतिक निर्णय क्षमता और व्यवहार को भी महत्व मिलना चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक समग्र, लचीला, कौशल-आधारित और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण विचार सामने रखे हैं। लेकिन किसी नीति की वास्तविक सफलता उसके दस्तावेज में नहीं, उसके धरातलीय परिणामों में दिखाई देती है। छह वर्ष के अनुभव के बाद यह आवश्यक है कि सरकार, शिक्षाविद, शिक्षक, अभिभावक और समाज मिलकर निष्पक्षता से समीक्षा करें कि नीति के कौन-से उद्देश्य विद्यालयों तक प्रभावी रूप से पहुंचे और कहां अभी दूरी बनी हुई है। केवल पाठ्यक्रम बदलना पर्याप्त नहीं है। शिक्षक, विद्यालयी संस्कृति, परीक्षा प्रणाली, अभिभावकीय अपेक्षाएं और शिक्षा के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण-इन सभी में परिवर्तन आवश्यक है। यदि देश में एक जैसी शिक्षा की बात हो रही है तो उसका अर्थ सांस्कृतिक एकरूपता नहीं, बल्कि समान गुणवत्ता और समान अवसर होना चाहिए। भारत की विविधता उसकी शक्ति है। स्थानीय भाषा, लोकज्ञान, क्षेत्रीय संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करते हुए प्रत्येक बच्चे को आधुनिक विज्ञान, तकनीक, वैश्विक ज्ञान और वैज्ञानिक दृष्टि की समान सुविधा मिलनी चाहिए।

आज शिक्षक दिवस पर सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि हमारे विद्यालयों से कैसे मनुष्य निकल रहे हैं। यदि शिक्षा मनुष्य को अधिक विवेकशील, विनम्र, निर्भीक, करुणामय, सत्यनिष्ठ और उत्तरदायी बना रही है तो वह सफल शिक्षा है। भारत के पास दुनिया को देने के लिए केवल आधुनिक विज्ञान और तकनीकी प्रतिभा नहीं, बल्कि हजारों वर्षों की ज्ञान-संपदा, आध्यात्मिक दृष्टि और मानवीय मूल्यों की महान परंपरा भी है। यदि आधुनिक विज्ञान और तकनीक का समन्वय भारतीय जीवन-मूल्यों के साथ कर दिया जाए तो भारत की शिक्षा व्यवस्था विश्व के लिए मार्गदर्शक बन सकती है। केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन की नहीं, चेतना परिवर्तन की है। केवल रोजगारपरक शिक्षा की नहीं, जीवनपरक शिक्षा की है। शिक्षक राष्ट्र का मौन शिल्पकार है। उसके हाथों में केवल एक विद्यार्थी का भविष्य नहीं, आने वाले भारत का चरित्र है। यदि शिक्षक जागेगा तो पीढ़ी जागेगी, पीढ़ी जागेगी तो समाज बदलेगा और समाज बदलेगा तो राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। यही शिक्षक दिवस का वास्तविक संदेश और विकसित, संस्कारित एवं विश्व का मार्गदर्शन करने वाले भारत की सबसे मजबूत आधारशिला हो सकती है।

सिंदूर के नायक को रघुनंदन का चंदन- आस्था, आधुनिक प्रबंधन और संस्थागत शुचिता का नया अध्याय

अशोक भाटिया

अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र को अपना पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करना भारत के धार्मिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक इतिहास में एक युगांतकारी मोड़ है। यह घटना केवल एक पद को भरने की सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि देश के सबसे संवेदनशील और भव्य सांस्कृतिक प्रतीक के प्रबंधन को पूरी तरह से आधुनिक, पेशेवर और पारदर्शी बनाने का एक सुविचारित संकल्प है। जिस सेनानायक ने कल तक देश की सरहदों की सुरक्षा के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन सफेद सागर' जैसे ऐतिहासिक अभियानों में आसमान का सीना चीरते हुए वायुसेना की पश्चिमी कमान का सफल नेतृत्व किया था, आज उसी कर्मवीर के माथे पर 'रघुनंदन का चंदन' सज चुका है। यह संगम इस बात का जीवंत उदाहरण है कि जब राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा करने वाला शौर्य, अध्यात्म और जन-आस्था की सेवा से जुड़ता है, तो एक नई और सुदृढ़ व्यवस्था का जन्म होता है।

यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब अयोध्या का राम मंदिर वैश्विक मानचित्र पर करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का मुख्य केंद्र बन चुका है। प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं का आगमन, देश-विदेश से आने वाला भारी चढ़ावा, विशाल बुनियादी ढांचा और सुरक्षा की अभेद्य चुनौतियां—इन सबने मिलकर राम मंदिर के संचालन को एक बहुत बड़े और जटिल संस्थागत प्रबंधन में तब्दील कर दिया है। ऐसे में पारंपरिक व्यवस्था से ऊपर उठकर एक पेशेवर प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। ट्रस्ट ने 5,500 से अधिक आवेदनों की एआई आधारित स्क्रीनिंग और गहन छंटनी के बाद जिस तरह से एक उच्च-स्तरीय चयन प्रक्रिया के जरिए एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र का चयन किया, वह अपने आप में एक मिसाल है।

इस बड़े कदम के पीछे केवल व्यवस्था को सुधारने की चाह ही नहीं थी, बल्कि हाल के दिनों में उपजे कुछ गंभीर विवाद भी थे। मंदिर के चढ़ावे और चंदे में कथित वित्तीय अनियमितताओं के जो आरोप लगे थे, उसने न केवल जनमानस को उद्वेलित किया, बल्कि ट्रस्ट की आंतरिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए थे। इन विवादों के बाद पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे हुए, जिसके कारण आंतरिक पुनर्गठन अपरिहार्य हो गया था। ट्रस्ट ने स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज को नया महासचिव और महेश भागचंदका को नया कोषाध्यक्ष बनाकर संगठन में एक बड़ा फेरबदल किया है, लेकिन इस पूरी प्रशासनिक मशीनरी के शीर्ष पर एक तटस्थ और अनुशासित सैन्य अधिकारी को बैठाना सबसे बड़ा और निर्णायक बदलाव माना जा रहा है।

इस नियुक्ति के पक्ष में खड़े विशेषज्ञों, विचारकों और आम श्रद्धालुओं का मानना है कि यह राम मंदिर के इतिहास का सबसे प्रगतिशील कदम है। किसी भी विशाल संस्थान को चलाने के लिए केवल धार्मिक ज्ञान या निष्ठा ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि आधुनिक कॉर्पोरेट और रणनीतिक प्रबंधन की भी उतनी ही जरूरत होती है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र के पास 38 वर्षों से अधिक का सैन्य प्रशासनिक अनुभव है। उन्होंने वायुसेना की उस पश्चिमी कमान का नेतृत्व किया है जिसके कंधों पर देश की सबसे संवेदनशील सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा होता है। ऐसे नेतृत्वकर्ता के पास 'क्राइसिस मैनेजमेंट' (संकट प्रबंधन), लॉजिस्टिक्स, सुरक्षा ग्रिड की समझ और मानव संसाधन को अनुशासित ढंग से संचालित करने की अद्भुत क्षमता होती है।

एक सैन्य अधिकारी का जीवन ईमानदारी और सख्त नियमों के दायरे में बीतता है। जितेंद्र मिश्र की उपस्थिति से यह सुनिश्चित होगा कि मंदिर को मिलने वाले एक-एक पैसे का हिसाब पूरी तरह से पारदर्शी और ऑडिटेड हो, जिससे जनता का अटूट विश्वास फिर से मजबूत होगा। इसके अलावा, अयोध्या में हर त्योहार और आम दिनों में भी लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में भगदड़ जैसी अप्रिय घटनाओं

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

को रोकने और वीआईपी व आम श्रद्धालुओं के बीच संतुलन बनाने के लिए सैन्य स्तर की योजना की आवश्यकता थी। एयर मार्शल मिश्र के अनुभव का लाभ उठाकर मंदिर परिसर के 70 एकड़ के क्षेत्र को एक सुरक्षित और सुलभ मॉडल में बदला जा सकता है।

मंदिर के मामलों में अक्सर विभिन्न धार्मिक गुटों, अखाड़ों, राजनेताओं और स्थानीय संस्थाओं का प्रभाव या दबाव देखा जाता है। एक बाहरी और गैर-राजनीतिक सैन्य पृष्ठभूमि के व्यक्ति के सीईओ बनने से प्रशासनिक निर्णय पूरी तरह से योग्यता और नियमों के आधार पर लिए जाएंगे, न कि किसी के तुष्टिकरण या प्रभाव में आकर। राम मंदिर परिसर में केवल पूजा-पाठ ही नहीं, बल्कि संग्रहालय, अनुसंधान केंद्र, डिजिटल गैलरी और कई जनकल्याणकारी परियोजनाएं आकार ले रही हैं। इन परियोजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए 'प्रोजेक्ट मैनेजमेंट' की जिस महारत की जरूरत होती है, वह भारतीय रक्षा बलों के अधिकारियों के रग-रग में बसी होती है। समर्थकों का स्पष्ट कहना है कि 'सिंदूर के नायक' ने हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखा है। जब ऐसा व्यक्तित्व रघुनंदन के चरणों में अपनी सेवाएं अर्पित करेगा, तो वह मंदिर को केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि विश्व स्तरीय व्यवस्था का एक अनुपम केंद्र बना देगा।

दूसरी तरफ, हर बड़े और अभूतपूर्व निर्णय की तरह इस फैसले के भी कुछ आलोचक और शंकालु पक्ष हैं, जिन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के कुछ पारंपरिक संतों, अखाड़ों के प्रतिनिधियों और रूढ़िवादी विचारकों के मन में इस नई व्यवस्था को लेकर कई तरह के संशय और आपत्तियां हैं। उनका मानना है कि सनातन धर्म के सबसे बड़े और पवित्रतम केंद्रों में से एक का संचालन पूरी तरह से धार्मिक मर्यादाओं, शास्त्रों की व्यवस्था और संतों के मार्गदर्शन में होना चाहिए। जब किसी धार्मिक संस्थान के शीर्ष पर एक 'कॉर्पोरेट' या 'सैन्य' तर्ज पर काम करने वाला मुख्य कार्यकारी अधिकारी बैठता है, तो वहां आस्था से अधिक नियमों की कठोरता हावी होने का खतरा बढ़ जाता है।

सैन्य प्रशासन पूरी तरह से लिखित नियमों, प्रोटोकॉल और आदेशों पर चलता है, जबकि धार्मिक स्थलों का संचालन भक्तों की भावनाओं, परंपराओं, उत्सवों के लोकाचार और संतों की इच्छाओं से संचालित होता है। आलोचकों को डर है कि एक सख्त सैन्य अधिकारी के नेतृत्व में कहीं राम मंदिर का माहौल किसी 'छावनी' जैसा न हो जाए, जहां आम भक्तों को सहजता की जगह पाबंदियों का सामना करना पड़े। कुछ संतों का दबी जुबान में यह भी कहना है कि क्या देश के संतों, पुजारियों और धार्मिक प्रबंधकों में इतनी योग्यता नहीं थी कि वे इस मंदिर का संचालन कर पाते? चंदे की अनियमितताओं के बहाने धीरे-धीरे मंदिर का नियंत्रण संतों के हाथों से निकालकर नौकरशाहों या सेवानिवृत्त अधिकारियों को सौंपना, पारंपरिक व्यवस्था पर एक तरह का अविश्वास प्रदर्शित करता है।

जब ट्रस्ट के ऊपर एक शक्तिशाली सीईओ की नियुक्ति होती है, तो ट्रस्ट की मूल स्वायत्तता प्रभावित हो सकती है। क्या एक सरकारी या सैन्य पृष्ठभूमि से आया अधिकारी उन पारंपरिक अनुष्ठानों और धार्मिक संहिताओं की बारीकियों को समझ पाएगा, जो सदियों से अयोध्या की धरती पर जीवंत हैं? यदि नियमों और परंपराओं में टकराव हुआ, तो जीत किसकी होगी? 'सीईओ' शब्द मूलतः व्यावसायिक और कॉर्पोरेट जगत से जुड़ा है। आलोचकों का तर्क है कि भगवान के दरबार में 'प्रबंधक' या 'प्रशासक' तो हो सकते हैं, लेकिन इस तरह के व्यावसायिक पदों का सृजन मंदिर के आध्यात्मिक स्वरूप को कमतर करता है और इसे एक 'कमर्शियल वेन्यू' या पर्यटन केंद्र की तरह पेश करने की कोशिश जैसा लगता है।

इस पूरे विमर्श के केंद्र में यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि पक्ष और विपक्ष के अपने-अपने ठोस तर्क हैं, लेकिन राम मंदिर जैसी विशाल और वैश्विक संस्था की सफलता इन दोनों विचारों के सुंदर समन्वय में ही छिपी है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल फाइलों का निपटारा करना या सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा करना नहीं होगी, बल्कि उन्हें नियमों की कठोरता के बीच 'राम रस' की कोमलता को बनाए रखना होगा। उन्हें यह साबित करना होगा कि एक फौजी का कड़क अनुशासन, भगवान राम के प्रति एक परम भक्त की विनम्रता में बदल सकता है।

नए सीईओ को प्रशासनिक निर्णय लेते समय अयोध्या के पूज्य संतों और आचार्यों को विश्वास में लेना होगा। मंदिर की मूल धार्मिक आत्मा और सदियों पुरानी परंपराओं से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। कानून और नियम व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए होने चाहिए, न कि धार्मिक अनुष्ठानों में बाधा डालने के लिए। एयर मार्शल मिश्र को यह सुनिश्चित करना होगा कि अयोध्या आने वाले सबसे गरीब और दूर-दराज के भक्त को भी दर्शन में उतनी ही सुगमता और सम्मान मिले, जितना किसी विशिष्ट अतिथि को मिलता है। सेना का मूल मंत्र 'सेवा परमो धर्मः' होता है, और यही मंत्र राम मंदिर के प्रशासन का भी मूल आधार बनना चाहिए।

पिछले विवादों से सबक लेते हुए एक ऐसा डिजिटल और अभेद्य वित्तीय तंत्र विकसित करना होगा, जहां भ्रष्टाचार या हेराफेरी की गुंजाइश पूरी तरह समाप्त हो जाए। जब चंदे का पारदर्शी विवरण देश के सामने होगा, तो विपक्ष की सारी आपत्तियां स्वतः ही शांत हो जाएंगी। राम मंदिर ट्रस्ट का यह साहसिक प्रयोग भारत के अन्य बड़े और समृद्ध मंदिरों (जैसे तिरुपति बालाजी, वैष्णो देवी और सिद्धिविनायक) के लिए भी एक नया मार्गदर्शक बन सकता है, जहां आधुनिक प्रबंधन की सख्त जरूरत है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के इस नायक को 'रघुनंदन का चंदन' लगाया जाना इस बात का उद्घोष है कि राष्ट्र की सुरक्षा करने वाले हाथ ही अब राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर को भी सहेजेंगे।

चुनौतियां बड़ी हैं और उम्मीदें उससे भी कहीं अधिक हैं। यदि एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र अपनी सैन्य दक्षता और प्रशासनिक शुचिता के साथ रामलला के चरणों में पूर्ण समर्पण भाव से काम करने में सफल रहे, तो यह नियुक्ति आने वाले समय में आस्था और आधुनिक विज्ञान के मिलन का एक स्वर्णिम अध्याय साबित होगी। अंततः, यह बदलाव केवल एक व्यक्ति की नियुक्ति नहीं, बल्कि रामराज्य की उस परिकल्पना को धरातल पर उतारने का प्रयास है, जहां न्याय, व्यवस्था, अनुशासन और करुणा का सह-अस्तित्व होता है।राम मंदिर ट्रस्ट का यह ऐतिहासिक कदम भविष्य के भारत में प्राचीन आस्था और रणनीतिक प्रबंधन के सह-अस्तित्व का एक स्वर्णिम अध्याय प्रस्तुत करता है। यह नियुक्ति सनातन संस्कृति के संस्थागत प्रबंधन के लिए एक वैश्विक मानक बनने के साथ-साथ आधुनिक भारत में लोक-कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है।

जौहरः राख नहीं, अस्मिता की आग

- डॉ. सत्यवान सौरभ

जौहर भारतीय इतिहास की उन घटनाओं में से है, जिसकी स्मृति आज भी राजस्थान की माटी, लोककथाओं और वीर-रस की परंपरा में गहराई से जीवित है। जौहर को केवल अग्नि में प्राण देने की घटना मान लेना उसके ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भ को सीमित कर देना होगा। इसके पीछे युद्ध, सत्ता-संघर्ष, स्त्री की असुरक्षा, पराजय की आशंका और तत्कालीन सामाजिक परिस्थितियों की जटिलता थी। इसलिए जौहर की चर्चा भावनाओं के साथ-साथ इतिहास-बोध और मानवीय संवेदना के साथ भी होनी चाहिए।

राजपूत इतिहास में वीरता केवल रणभूमि में तलवार उठाने तक सीमित नहीं रही। पुरुषों के शौर्य के साथ स्त्रियों के त्याग, साहस और आत्मसम्मान की कथाएँ भी पीढ़ी-दर-पीढ़ी सुनाई जाती रही हैं। चित्तौड़ की रानी पद्मावती से जुड़ी जौहर की लोकस्मृति हो या मेवाड़ और राजस्थान की अन्य वीरांगनाओं की गाथाएँ—इन कथाओं ने राजपूती अस्मिता की ऐसी छवि निर्मित की, जिसमें स्वाभिमान को सर्वोच्च मूल्य माना गया।

जौहर की ज्वाला जागी है, सारा सिंधु सुखाने को—जैसी ओजपूर्ण पंक्तियाँ इसी सामूहिक स्मृति की अभिव्यक्ति हैं। इनमें इतिहास के उस दौर की पीड़ा, आक्रोश और आत्मसम्मान की भावना दिखाई देती है। किंतु आज इन भावनाओं को समझते हुए यह भी ध्यान रखना आवश्यक है कि ऐतिहासिक घटनाओं को वर्तमान समाज में किसी समुदाय के विरुद्ध घृणा या वैमनस्य पैदा करने का माध्यम न बनाया जाए।

जौहर का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष स्त्री की अस्मिता से जुड़ा हुआ है। मध्यकालीन युद्धों में पराजित राज्यों की महिलाओं के सामने अपहरण, हिंसा, दासता और जबरन नियंत्रण जैसी आशंकाएँ मौजूद थीं। उस दौर की सामाजिक संरचना में स्त्रियों के पास आज जैसी कानूनी सुरक्षा, संस्थागत संरक्षण और स्वतंत्र निर्णय के आधुनिक विकल्प नहीं थे। ऐसे वातावरण में जौहर जैसी घटनाएँ सामने आईं। उन्हें समझने के लिए उस समय की परिस्थितियों को वर्तमान सामाजिक और कानूनी मानकों से अलग करके देखना आवश्यक है।

लेकिन इतिहास की त्रासदी को समझना और उसका अंधा महिमामंडन करना दो अलग बातें हैं। आज जौहर हमारे लिए अनुकरण का मार्ग नहीं हो सकता। आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में स्त्री की गरिमा की रक्षा मृत्यु के माध्यम से नहीं, बल्कि कानून, शिक्षा, सामाजिक चेतना और न्यायपूर्ण संस्थाओं के माध्यम से होनी चाहिए। हमारा लक्ष्य ऐसी व्यवस्था बनाना होना चाहिए जिसमें किसी महिला को अपनी अस्मिता बचाने के लिए जीवन समाप्त करने जैसी स्थिति का सामना ही न करना पड़े।

राजपूती वीरांगनाओं की स्मृति का सम्मान इसी दृष्टि से अधिक सार्थक होगा। उनके साहस को केवल मृत्यु से जोड़ना उनके संघर्ष और व्यक्तित्व को सीमित कर देना होगा। उनके भीतर मौजूद आत्मसम्मान, संकट में निर्णय लेने का साहस और विपरीत परिस्थितियों में मानसिक दृढ़ता को समझना अधिक महत्वपूर्ण है। इतिहास में दर्ज बलिदान हमें यह प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित कर सकते हैं कि आज हम महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए क्या कर रहे हैं।

इसी तरह राजपूत वीरों की तलवार और बलिदान की गाथाएँ भी केवल युद्ध-रोमांच की कहानियाँ नहीं हैं। वे अपने समय की राजनीतिक परिस्थितियों, क्षेत्रीय स्वायत्तता और सम्मान की रक्षा के संघर्षों का हिस्सा थीं। ह्लजिन शेरों ने धरा सींच दी, लहू बहाकर सीने सेह्न—जैसी पंक्तियाँ उस वीर परंपरा को स्मरण करती हैं, जिसने राजस्थान के इतिहास और लोक-संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया।

इतिहास की स्मृति तभी स्वस्थ होती है, जब उसमें गर्व के साथ विवेक भी हो। हमें अपने पूर्वजों के बलिदानों को याद करना चाहिए, लेकिन इतिहास को वर्तमान की नफरत में बदलने से बचना चाहिए। किसी ऐतिहासिक संघर्ष में शामिल व्यक्तियों या समूहों के आधार पर आज के पूरे समुदायों को दोषी ठहराना न इतिहाससम्मत है और न सामाजिक रूप से उचित।

विशेष रूप से साहित्य और कविता की भूमिका यहाँ महत्वपूर्ण हो जाती है। वीर-रस की कविता समाज में आत्मविश्वास, साहस और देशप्रेम की भावना पैदा कर सकती है। लेकिन वही कविता यदि किसी समुदाय के प्रति घृणा को बढ़ावा देने लगे तो उसका रचनात्मक उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है। इसलिए ह्लजय भवानीह्न और ह्लजय माता पद्मावतीह्न जैसे उद्घोषों को सांस्कृतिक स्मृति और श्रद्धा के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि किसी के प्रति वैमनस्य के राजनीतिक नारे के रूप में।

जौहर की स्मृति हमें एक और महत्वपूर्ण बात सिखाती है—स्वाभिमान मनुष्य के जीवन का महत्वपूर्ण मूल्य है, लेकिन आधुनिक समाज में स्वाभिमान और जीवन को परस्पर विरोधी नहीं बनाया जाना चाहिए। आज हमारी जिम्मेदारी है कि हर महिला को शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता, कानूनी अधिकार, सुरक्षित वातावरण और अपनी इच्छा से जीवन चुनने की स्वतंत्रता मिले। यही उस ऐतिहासिक पीड़ा से निकला सबसे मानवीय संदेश हो सकता है।

राजस्थान की माटी में वीरता की जो गंध है, वह केवल अतीत की राख में नहीं, वर्तमान की जिम्मेदारियों में भी जीवित रहनी चाहिए। जौहर की अग्नि को आज फिर जलाने की नहीं, उसके इतिहास को समझने की आवश्यकता है। उन वीरांगनाओं को नमन तभी सार्थक होगा, जब हम ऐसा समाज बनाएँ जहाँ किसी स्त्री की गरिमा पर संकट न आए, जहाँ उसकी इच्छा सर्वोपरि हो और जहाँ उसकी रक्षा के लिए उसे अपने जीवन का बलिदान न देना पड़े।

इतिहास हमें गौरव देता है, लेकिन इतिहास हमें जिम्मेदारी भी देता है। जौहर की कथा को उसी संतुलित दृष्टि से पढ़ना होगा—न अंधा महिमामंडन, न अपमानजनक विस्मरण। यह हमारे अतीत की एक पीड़ादायक स्मृति है, जिसमें साहस, स्वाभिमान और त्रासदी तीनों मौजूद हैं।

वीरांगनाओं के साहस को नमन, वीरों के बलिदान को श्रद्धांजलि और उस इतिहास से सीख लेकर एक ऐसा वर्तमान बनाने का संकल्प—जहाँ सम्मान की रक्षा जीवन के साथ हो, जीवन के विरुद्ध नहीं।

दिल की आवाज कहें या फिर सफलता के सोपान

दोस्ती, संघर्ष और सफलता— दो यारों की एक प्रेरक कहानी

कुछ रिश्ते वक्त के साथ नहीं बदलते, बल्कि वक्त के बदल जाने के बाद भी वैसे ही बने रहते हैं।

ऐसी ही कहानी है दो बचपन के दोस्तों की—जो एक ही गाँव की मिट्टी में पले,एक ही स्कूल की चौखट पर पढ़े और अभावों के बीच बड़े सपने देखने वाले दो जिगरी यारों की। भले ही उस वक्त के दौर में संसाधनों का अभाव रहा हो किंतु आपसी समझ और एक दूसरे के प्रति मिलने की लगन ही इस दोस्ती की प्रगाढ़ता प्रगति के पादान पर बढ़ी और एक मुक्कमल मुकाम प्रदान किया है।

भले ही 80 के दशक में जेब में साधन कम थे, लेकिन हौसलों में कोई कमी नहीं थी और न ही जज्बात से परहेज था।दोनों दोस्तों के ही गरीबी रास्ते में थी,परिस्थितियाँ चुनौती बनकर सामने थीं,लेकिन दोनों ने परिस्थितियों को अपनी मंज़िल बनने नहीं दिया।किताबें वही थीं, स्कूल वही था,गाँव वही थाह्न मगर आँखों में भविष्य का एक अलग सपना था।समय अपनी गति से चलता रहा।

बचपन की शरारतें पीछे छूटती गईं, पढ़ाई ने संघर्ष का रूप लिया और वही संघर्ष धीरे-धीरे सफलता की सीढ़ियाँ बनता गया। उसी पर चलते हुए हमने भी इस प्रतिस्पर्धा की दुनिया में अपना मुकाम बनाने की दौड़ में तैयारी शुरू की थी, देखते ही देखते जो कल तक केवल सपनों में था,आज वही हकीकत बनकर सामने खड़ा है और समय बड़ा है।

आज जब दोनों दोस्त पीछे मुड़कर अतीत के आईने में देखते हैं,तो बीते दिनों की तस्वीरें केवल यादें नहीं लगतीं—वे उन्हें कुछ नया करने,और बेहतर करने की प्रेरणा देती हैं।अतीत के दरवाजे में झांक कर देखे तो बीते दिन बताते हैं कि संसाधन सीमित हो सकते हैं,लेकिन संकल्प सीमित नहीं होना चाहिए,और शायद यही जीवन की सबसे बड़ी सीख भी है—

भाग्य हमें अवसर देता है, लेकिन उसे उपलब्धि में बदलने का काम हमारी मेहनत,तकदीर,संस्कार और निरंतर प्रयास करते हैं। आज हम दोनों दोस्त अपने-अपने क्षेत्र में सरकारी सेवा के माध्यम से समाज की सेवा कर रहे हैं और उस बात को मजबूत भी कर रहे हैं कि अगर सोच सार्थक होगी तो सफलता भी निश्चित ही मिलेगी। सफलता के पायदान तय करके

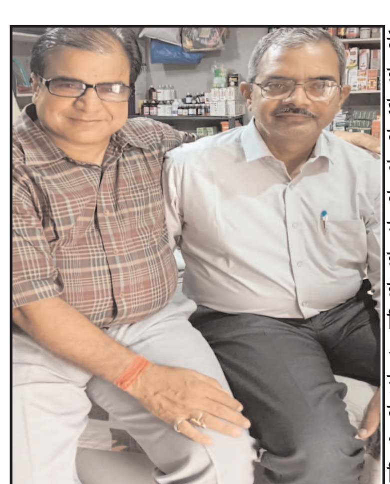

एक ओर मैं, डॉ. राजेंद्र कुमावत,आज वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी प्रभारी के रूप में उदयपुरवाटी में अपनी चिकित्सा सेवा देते हुए दायित्वों का निर्वहन कर रहा हूँ, तो दूसरी ओर मेरे बचपन के अजीज मित्र डॉ. भीवा राम सैनी,आयुर्वेद उप निदेशक,जोधपुर के रूप में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं और करीब 30 साल से इसी जिले में रह रहे हैं। सच कहें तो यह केवल दो व्यक्तियों की सफलता की कहानी नहीं है।अपितु उस गाँव की मिट्टी की कहानी है,उस स्कूल की कहानी है,उन अभावों की कहानी है जिन्होंने हमें मजबूत बनाया और उन माता-पिता एवं गुरुओं के आशीर्वाद की कहानी है जिन्होंने हमारे भीतर आगे बढ़ने का विश्वास जगाया।

आज साथ बैठकर जब हम एक-दूसरे को देखते हैं तो चेहरे पर मुस्कान होती है

और मन में एक ही बात आती है—

यार! हमने सच में बहुत लंबा सफर तय कर लिया

लेकिन हमारी दोस्ती आज भी वहीं खड़ी है,जहाँ से यह सफर शुरू हुआ था।

सफलता ने हमें बदला जरूर है,लेकिन हमारी जड़ों से हमारा रिश्ता नहीं बदला। जिंदगी की इस कशमकश में वैसे तो मैं भी काफी बिजी हूं,लेकिन वक्त का बहाना बनाकर अपनो को भूल जाएं,वो आज भी मुझे नहीं आता ।।

हम आज भी चिराना की उसी मिट्टी को नमन करते हैं,और जहां पढ़े उस स्कूल को ही हम कॉलेज के नाम से पुकारते थे जो आज भी है और उसी स्कूल की यादों को सहेजते हुए हम बीते दिनों की याद ताजा करते रहते हैं। यादें तो ओर भी बहुत है पर रिश्तों में हमेशा अहसास करावे वो ही याद हमें सोचने के लिए व चाहत को बनाए रखने के लिए उत्प्रेरक का काम करती है और बीते उन्हीं पुराने दिनों को अपनी ताकत मानते हैं।

क्योंकि हमें मालूम है—जिसने अभावों में चलना सीखा हो,उसे सफलता की चमक कभी अपनी जड़ों से दूर नहीं कर सकती।

और शायद हमारी कहानी की सबसे खूबसूरत बात यही है कि - मंजिलें अलग हो सकती हैं,पद अलग हो सकते हैं, जिम्मेदारियाँ अलग हो सकती हैं। लेकिन बचपन की सच्ची दोस्ती का रास्ता हमेशा एक ही रहता है।

दोस्ती वही,गाँव वही,यादें वही बस वक्त ने सपनों को हकीकत में बदल दिया। मै सलाह देना चाहूंगा अर्थात इस जीमन में कुछ यूं कहना चाहूंगा कि-अच्छे चेहरे का इंप्रैशन कुछ टाइम का होता है, परन्तु अच्छी सोच ओर सुंदर मन का इंप्रैशन जीवन भर का होता है।। याद रखे जिसका जैसा चरित्र होता है,उसका वैसा ही मित्र होता है। शुद्धता होती है विचारों में,आदमी कब पवित्र होता है।। बदलते परिवेश में पहचान व्यक्ति की नहीं व्यक्तित्व की होती है इसलिए अपना व्यक्तित्व निखारने के लिए कुछ अलग हटकर करो ताकि पहचान बने ओर जीने का सलीका इस कदर रखो ताकि प्रेरणा बने। इसके अलावा आप जनहित और कल्याण के काम भी अपने जीवन में जरूर करे जो याद बन जाए और लोग आपको नाम से याद करे, अपनी वाणी में संयम और जीवन में सादगी रखे तो एक दिन निखार जरूर आता है,और वही शख्स दुनिया की भीड़ से अपनी पहचान बनाकर अलग ही दिखाई देता है।

प्रस्तुतिः डॉ राजेंद्र कुमावत चिराना।

केसीएन क्लब ने बोईसर मण्डल अधिकारी विजय गुंडकर को किया सम्मानित

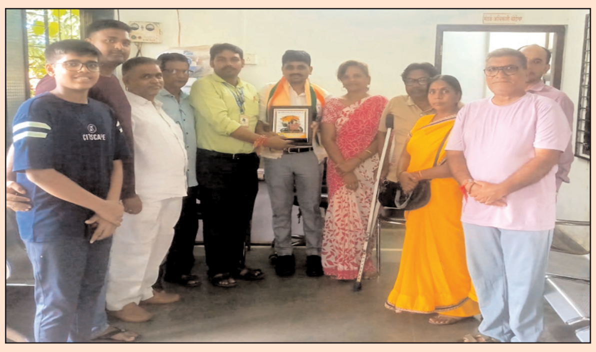

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर नगर अंतर्गत तलाठी कार्यालय में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन केसीएन क्लब द्वारा गुरुवार 3 सितम्बर 2026 को बोईसर मण्डल अधिकारी विजय गुंडकर को शॉल व सम्मान पत्र के जरिये सम्मानित किया गया। विगत 10 वर्षों से 26 जुलाई कारगिल विजय दिवस पर चल रही कारगिल पराक्रम जनजागृति मशाल पदयात्रा के निमित्त विशेष योगदान हेतु संगठन द्वारा उनको सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केसीएन क्लब अध्यक्ष नन्दन मिश्र त्यागी ने किया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर क्रांति ज्योति दिव्यांगजन सेवा संस्था के अध्यक्ष विलास भोने उपस्थित रहे, कार्यक्रम का कुशल संचालन केसीएन क्लब वरिष्ठ सदस्य व सांगली जनपद निवासी पूर्व शिक्षक कोकने सर ने किया। कार्यक्रम में केसीएन क्लब वरिष्ठ पदाधिकारी राजनारायण यादव, विनोद तिवारी, संजय भानुशाली, आस्मित मुरलीधर, शिक्षिका किरण सिन्हा, सामाजिक कार्यकर्ता संगीता जायसवाल, जयंती महतो सहित अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में केसीएन क्लब खेलकूद प्रकोष्ठ प्रभारी राकेश शर्मा ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

सीरतुन्नबी निबंध प्रतियोगिता में अलहम्द जूनियर कॉलेज के छात्रों ने लहराया परचम

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। अब्दुल हकीम स्टडी सेंटर एवं स्टूडेंट्स हेल्प फोरम, भिवंडी के संयुक्त तत्वावधान में अलहम्द हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज में सीरतुन्नबी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पैगंबर मोहम्मद साहब के पवित्र जीवन के नैतिक पहलू विषय पर निबंध लिखकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल के निर्णय के अनुसार कक्षा 12वीं विज्ञान के खान अब्दुल अलीम शहरोज अहमद ने प्रथम, कक्षा 11वीं कॉमर्स के खान मोहम्मद सादिक ने द्वितीय तथा कक्षा 12वीं कॉमर्स के अंसारी मोहम्मद सऊद मुश्ताक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को 30 अगस्त को अब्दुल हकीम अंसारी स्टडी सेंटर के उद्घाटन समारोह में मौलाना हलीमुल्लाह कासमी, मौलाना औसाफ फलाही, प्रिंसिपल ज़िया-उर-रहमान अंसारी एवं अन्य अतिथियों ने पुरस्कार व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। छात्रों की सफलता पर अलहम्द एजुकेशन सोसायटी के पदाधिकारियों, चेयरमैन अब्दुलअजीज अंसारी, प्राचार्या खान शबनम रियाजुद्दीन, प्राचार्या फरजाना मोमिन, प्रशासक निहाल अहमद तथा स्कूल-कॉलेज के स्टाफ ने विजेताओं और मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई दी।

10 सितंबर को पालघर विभाग की डाक अदालत

पालघर(उत्तरशक्ति)। नागरिकों के दैनिक जीवन से सीधे जुड़ी डाक सेवाओं से संबंधित लंबित शिकायतों के प्रभावी निराकरण के लिए पालघर डाक विभाग की ओर से 10 सितंबर 2026 को डाक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस डाक अदालत में छह सप्ताह से अधिक समय से लंबित डाक सेवा संबंधी शिकायतों के निराकरण का प्रयास किया जायेगा। पालघर विभाग के अधीक्षक डाकघर की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली यह डाक अदालत 10 सितंबर को सुबह 10 बजे मीरा रोड विभागीय डाकघर, प्रथम मंजिल, मीरा रोड-401107 में होगी। इस दौरान विभागीय अधिकारी शिकायतकताओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को समझेंगे तथा संबंधित शिकायतों के समाधान की दिशा में कार्रवाई करेंगे। डाक विभाग द्वारा ग्राहकों को विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराते समय संपर्क संबंधी त्रुटियों अथवा सेवा में उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों के कारण कई बार शिकायतें सामने आती हैं। ऐसी शिकायतों का समयबद्ध तरीके से निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डाक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। पालघर विभाग से संबंधित ऐसी शिकायतें, जिनका छह सप्ताह के भीतर निराकरण नहीं हुआ है, डाक अदालत में विचारार्थ स्वीकार की जायेंगी। इनमें अपंजीकृत एवं पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट, काउंटर सेवाएं, बचत बैंक तथा मनीऑर्डर की राशि का भुगतान न होने जैसी शिकायतें शामिल हैं।

मानसून में बार-बार स्नैकिंग आपके दांतों को पहुंचा सकती है नुकसान; मौखिक स्वच्छता बनाए रखना है जरूरी: डॉ. सोनिया दत्ता

मुंबई/पटना। मौसमी व्यंजन बरसात के मौसम का आनंद बढ़ाते हैं, लेकिन डेंटिस्ट का कहना है कि इस दौरान बार-बार स्नैकिंग करने की आदत उचित देखभाल न होने पर मौखिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। प्रख्यात डेंटिस्ट डॉ. सोनिया दत्ता के अनुसार मानसून के दौरान हमारी खानपान की आदतों में अक्सर बदलाव आ जाता है। लोग अपने पसंदीदा मौसमी व्यंजनों का आनंद लेते हुए दिनभर अधिक बार स्नैकिंग करने लगते हैं। जब भी हम भोजन करते हैं, विशेषकर चीनी और स्टार्च युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं, तो मुंह में मौजूद बैक्टीरिया ऐसे अम्ल (एसिड) बनाते हैं जो दांतों की बाहरी परत (एनामेल) पर हमला करते हैं। बार-बार स्नैकिंग करने से ये अम्लीय हमले भी अधिक बार होते हैं, जिससे कैविटी और अन्य मौखिक समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। दंत विशेषज्ञ दैनिक मौखिक देखभाल दिनचर्या में एक भरोसेमंद टूथपेस्ट को शामिल करने की भी सलाह देते हैं। डाबर रेड टूथपेस्ट, लौंग और सोंठ जैसे भरोसेमंद आयुर्वेदिक तत्वों से युक्त है, जो संपूर्ण मौखिक देखभाल प्रदान करने में मदद करता है। लौंग अपने जीवाणुरोधी गुणों के लिए जानी जाती है और दांतों की असुविधा से राहत देने में सहायक होती है, जबकि सोंठ मसूड़ों की सूजन कम करने और उन्हें स्वस्थ बनाए रखने में मदद करती है।

महायुति सरकार मीरा-भायंदर के ग्रामीणों के साथ मजबूती से खड़ी : प्रताप सरनाईक

◆300-400 साल पुराने गांवों में एग्री, कोली और आदिवासी बस्तियों का उच्चस्तरीय निरीक्षण; जरूरत पड़ी तो कानून में संशोधन कर दिलाएंगे न्याय

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर के 300 से 400 वर्ष पुराने गांवों में रहने वाले एग्री, कोली और आदिवासी समाज के परिवारों के घरों एवं जमीन से जुड़े लंबे समय से लंबित विवादों के समाधान की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालकमंत्री प्रताप सरनाईक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि महायुति सरकार ग्रामीणों के साथ मजबूती से खड़ी है और जरूरत पड़ी तो कानून में आवश्यक संशोधन कर उन्हें न्याय दिलाया जाएगा।

इसी मुद्दे को लेकर मंत्री प्रताप सरनाईक ने शहरी विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम कुमार गुप्ता, मीरा-भायंदर महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा तथा मीरा-भायंदर के ऊपरी तहसीलदार नीलेश गौंड के साथ उत्तन, राय, मुर्धा, नवघर, गोडदेव, घोड़बंदर और काजू पाड़ा स्थित पुराने गांवों, आदिवासी पाड़ों तथा एग्री-कोली बस्तियों का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। घरों की मरम्मत या पुनर्निर्माण को अनधिकृत बताना गंभीर विषयह्व निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी विभिन्न समस्याएं और शिकायतें रखीं। ग्रामीणों का कहना था कि पीढ़ियों से बसे परिवारों की संख्या

बढ़ने के कारण उन्हें अपने पुराने घरों की मरम्मत अथवा पुनर्निर्माण करना पड़ता है। लेकिन कई मामलों में इन्हीं निर्माण कार्यों को महानगरपालिका द्वारा अनधिकृत घोषित कर कार्रवाई की जाती है। मंत्री सरनाईक ने कहा कि पीढ़ियों से यहां रहने वाले किसानों, मछुआरों और आदिवासी परिवारों के साथ अन्याय किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को ग्रामीणों की वास्तविक परिस्थितियों को समझने और मानवीय दृष्टिकोण से मामले का समाधान तलाशने के निर्देश दिए। उत्तन से काजू पाड़ा तक जमीनी निरीक्षण, निरीक्षण दौरे की शुरूआत उत्तन के तटीय क्षेत्र से हुई। इसके बाद राय, मुर्धा और घोड़बंदर के पुराने गांवों में स्थित घरों एवं बस्तियों का अधिकारियों ने प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। दौरे का समापन काजू पाड़ा स्थित आदिवासी पाड़े में हुआ। मुर्धा में हाल ही में हुई तोड़फोड़ की कार्रवाई को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी देखने को मिली थी। ग्रामीणों ने इस कार्रवाई को लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। इस दौरान मंत्री प्रताप सरनाईक ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और वरिष्ठ अधिकारियों को मौके की वास्तविक स्थिति से अवगत कराया। अतिरिक्त मुख्य सचिव असीम कुमार गुप्ता ने भी ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उनकी समस्याओं, जमीन और घरों से संबंधित दस्तावेजों तथा प्रशासनिक अड़चनों की जानकारी ली। ग्राम केंद्रों और आदिवासी बस्तियों के लिए अलग नीति की मांग, स्थानीय ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से ग्राम केंद्रों तथा आदिवासी बस्तियों को संरक्षण देने के लिए राज्य स्तर पर स्वतंत्र नीति बनाए जाने की मांग की जा रही है। ग्रामीणों की इस मांग के बाद शहरी विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मामले की जमीनी स्थिति का निरीक्षण किया गया। सरकारी स्तर पर संकेत दिए गए हैं कि इस संबंध में सकारात्मक रिपोर्ट तैयार कर कानूनी प्रावधानों के तहत आवश्यक राहत देने की दिशा में कदम उठाए जा सकते हैं।

दिनेश मिश्रा विश्व हिंदू परिषद जिलाध्यक्ष का मुंबई आगमन पर भव्य स्वागत

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। विश्व हिंदू परिषद मछली शहर जिलाध्यक्ष दिनेश मिश्रा का मुंबई आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। दहिसर में रक्खे एक कार्यक्रम में भोज में जौनपुर मछली शहर के क्षेत्रीय लोगों ने मिलकर स्वागत किया।

उपरोक्त समारोह मे मीरा भाईंदर मनपा नगरसेवक विवेक उपाध्याय, मीरा भाईंदर मनपा परिवहन समित सभापति राजकुमार मिश्रा, भाजपा मीरा भाईंदर जिला महामंत्री बृजेश तिवारी, समाजसेवी, अधिवक्ता डी. के. पाण्डेय, वरिष्ठ पत्रकार एवं भाजपा उभामों मीरा भाईंदर जिला महामंत्री महेंद्र पाण्डेय, अधिवक्ता प्रथमेश शुक्ला, अधिवक्ता मनीष तिवारी के साथ साथ भारी संख्या में क्षेत्रीय लोगो में दिनेश मिश्रा जी का स्वागत किया। दिनेश मिश्रा ने कहा कि अपनों के बीच रहकर खुशी की अनुभूति हो रही है।

उद्धव ठाकरे गुट और मनसे के पदाधिकारियों का शिंदे गुट की शिवसेना में प्रवेश

घाटकोपर में शिवसेना को मिली मजबूती; आगामी चुनावों को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज

मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के घाटकोपर पश्चिम विधानसभा प्रमुख सुभाष पवार और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के पूर्व मागाठाणे विभाग अध्यक्ष विनोद पवार ने शिंदे गुट की शिवसेना में सार्वजनिक रूप से प्रवेश किया। रायगढ़ जिले के नवनियुक्त पालकमंत्री भरतशेठ गोगावले की उपस्थिति में यह पार्टी प्रवेश संपन्न हुआ। दादर में महाड विधानसभा मुंबई विभाग की ओर से पालकमंत्री भरतशेठ गोगावले के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। इसी कार्यक्रम के दौरान सुभाष पवार और विनोद पवार ने शिवसेना में

प्रवेश किया। सुभाष पवार शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की स्थापना के समय से ही पार्टी से जुड़े रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ता से लेकर पदाधिकारी तक विभिन्न जिम्मेदारियां संभाली हैं। घाटकोपर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में उनका नागरिकों और मतदाताओं के साथ सीधा संपर्क माना जाता है। इसके अलावा रायगढ़ जिले में भी उनका व्यापक जनसंपर्क होने की बात कही जाती है। वहीं, विनोद पवार ने शिवसेना में काम करने के बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना में प्रवेश किया था। मनसे में उन्होंने करीब दस वर्षों तक मागाठाणे विभाग अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी संभाली।

दोनों पदाधिकारियों के शिवसेना में प्रवेश से घाटकोपर के साथ ही रायगढ़ क्षेत्र में पार्टी के संगठन को मजबूती मिलने का दावा पार्टी कार्यकताओं की ओर से किया जा रहा है।

आगामी स्थानीय निकाय एवं विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में इस राजनीतिक घटनाक्रम को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों नेताओं के प्रवेश का आगामी चुनावों में शिवसेना को कितना राजनीतिक लाभ मिलता है, इस पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा शुरू हो गई हे।

राहुल गांधी पर मुकदमे के विरोध में कुर्ला में कांग्रेस का मूक धरना आंदोलन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राहुल गांधी जी पर दर्ज मुकदमे के विरोध में मुंबई कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग की ओर से मुंबई कांग्रेस अध्यक्षा सांसद श्रीमती वर्षा ताई गायकवाड़ के आदेशों पर अनुसूचित जाति विभाग के मुंबई अध्यक्ष सुभाष भालेराव के मार्गदर्शन में उत्तराखंड सरकार के विरोध में कुर्ला पूर्व में मूक धरना आंदोलन का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया । मोर्चे का नेतृत्व करते हुए मुंबई कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के अध्यक्ष सुभाष भालेराव ने कहा कि राहुल गांधी जी की बढ़ती लोकप्रियता और उनके द्वारा लगातार उठाए जा रहे जनहित के सवालों से भाजपा घबराई हुई है।

सरकार सवालों का जवाब देने के बजाय मुकदमों के जरिए विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है। इस मोर्चे में प्रमुख रूप से प्रकाश कांडरकर, महाराष्ट्र महासचिव रमेश पवार ब्लॉक अध्यक्ष बाबासाहेब कांबले, मुंबई सचिव रविन्द्र कुरडीया, दिलीप कसबे सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल थे।

पालघर जिले में आवारा पशुओं के लिए चलाया जायेगा विशेष अभियान

◆मवेशी मालिकों को दो दिन की मोहलत, 8 सितंबर की रात होगी कार्रवाई

◆सड़क हादसों पर लगेगी लगाम, गोवंश को मिलेगा सुरक्षित आश्रय

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। सड़कों पर खुलेआम घूमने वाले मवेशियों के कारण होने वाले सड़क हादसों को रोकने और गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पालघर जिले में विशेष अभियान चलाया जायेगा। प्रशासन, गोशालाओं, गोरक्षकों, पुलिस, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सीएसआर संस्थाओं के समन्वय से यह अभियान संचालित किया जायेगा। इस संबंध में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे की अध्यक्षता में गोरक्षकों एवं गोशाला प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने मवेशी मालिकों से अपील करते हुए कहा कि जिनके गाय, बैल अथवा अन्य गोवंश सड़कों पर खुले में घूम रहे हैं, वे दो दिनों के भीतर अपने मवेशियों को सुरक्षित रूप से अपने कब्जे में ले लें। इसके बाद भी यदि कोई मवेशी सड़क पर खुले में घूमता पाया गया, तो प्रशासन द्वारा उसे अपने कब्जे में लेकर संबंधित गोशाला में भेजा जायेगा। उन्होंने बताया कि मंगलवार 8 सितंबर की रात विशेष अभियान चलाया जायेगा। अभियान से पहले जिले के विभिन्न क्षेत्रों में खुले में घूमने वाले गोवंश की संख्या, गोशालाओं में उपलब्ध क्षमता, आवश्यक स्थान, परिवहन व्यवस्था तथा आवश्यक मनुष्यबल का नियोजन किया जायेगा। अभियान के दौरान सीएसआर संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों का सहयोग लिया जायेगा। पुलिस बंदोबस्त के बीच पकड़े गये गोवंश को विशेष वाहनों के माध्यम से सुरक्षित रूप से संबंधित गोशालाओं तक पहुंचाया जायेगा। प्रशासन का उद्देश्य केवल सड़क से मवेशियों को हटाना ही नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित आश्रय और आवश्यक देखभाल उपलब्ध कराना भी है।

बैठक में आदि घंटाकर्ण चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी एवं गोसेवक मनोज शाह, हमरापुर स्थित पशुपति गोशाला के प्रतिनिधि केदार लेले, धुंदलवाड़ी स्थित बहुला गोधाम गोशाला के प्रतिनिधि दामोदर दुलालदास, वाडा स्थित श्रीराम दृष्टि गोशाला के प्रतिनिधि किशोर कराले, देवखोप स्थित गोशाला के प्रतिनिधि सुरेशभाई सावला सहित जिले के अन्य गोरक्षक, जिला पशुसंवर्धन अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर तथा पशुसंवर्धन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान गोरक्षकों ने अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए विभिन्न सुझाव एवं अपनी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखीं। गोरक्षकों ने बताया कि वे रात के समय भी सड़क पर घूमने वाले गोवंश को सुरक्षित रूप से अपने कब्जे में लेने का कार्य करते हैं। इसलिए उन्हें अधिकृत पहचान पत्र अथवा बैच उपलब्ध कराया जाए। इसके अलावा पुलिस द्वारा जब्त किये गये मवेशियों को गोशालाओं में पहुंचाये जाने के बाद उनसे संबंधित कानूनी मामलों का सामना गोशालाओं को न करना पड़े, इसके लिए पुलिस एवं प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की मांग की गई। अभियान के दौरान होने वाले खर्च की व्यवस्था प्रशासन द्वारा किये जाने की मांग भी रखी गई।

गैस सिलेंडर में भीषण आग से घर जलकर खाक, परिवार का संसार उजड़ा

कल्याण (उत्तरशक्ति)। गैस सिलेंडर में लगी भीषण आग के चलते किशन भोईर के घर में आग लग गई। इस हादसे में घर का काफी सामान जलकर खाक हो गया और परिवार को भारी नुकसान उठाना पड़ा। दुर्घटना में घर के एक सदस्य के झुलसने की भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है। घटना की जानकारी मिलते ही शिवसेना नेता महेश गायकवाड़ ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे में गंभीर रूप से घायल किशन भोईर को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया और उनके उपचार की व्यवस्था की गई। इसके बाद महेश गायकवाड़ ने अस्पताल पहुंचकर किशन भोईर के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उनके

महेश गायकवाड़ ने उठाया इलाज का पूरा खर्च

परिजनों को ढांढस बंधाया। संकट की घड़ी में केवल आश्वासन नहीं, बल्कि मदद का हाथ आगे बढ़ाते हुए महेश गायकवाड़ ने किशन भोईर के इलाज का पूरा अस्पताल खर्च स्वयं उठाने की जिम्मेदारी ली है। उनके उपचार में होने वाला संपूर्ण खर्च वहन किया जाएगा। मुश्किल की इस घड़ी में भोईर परिवार के साथ मजबूती से खड़े होकर महेश गायकवाड़ ने एक बार फिर मानवता ही सच्चा धर्म है का संदेश दिया है।

बोईसर में नागरी संरक्षण दल द्वारा आयोजित स्नैप रोल कॉल संपन्न, 34 स्वयंसेवकों ने लिया भाग

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले में नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने तथा स्वयंसेवकों की तत्परता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नागरी संरक्षण दल के बोईसर विभाग द्वारा मंगलवार 1 सितंबर 2026 को स्नैप रोल कॉल का आयोजन किया गया। पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित चिराग विद्यालय में दोपहर 3.30 बजे आयोजित इस रोल कॉल में महिला एवं पुरुष स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार 24 अगस्त 2026 को उपनियंत्रक, नागरी संरक्षण दल, जिला कार्यालय में उपनियंत्रक के. आर. कुरकुटे के आदेशानुसार पालघर जिले के सभी विभागीय क्षेत्ररक्षकों एवं दुर्घटना नियंत्रण अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में मंगलवार 1 सितंबर को दोपहर 3.30 बजे स्नैप रोल कॉल लेने के निर्देश दिए गये थे। इसी निर्देश के तहत नागरी संरक्षण दल के विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश म्हस्के के मार्गदर्शन में चिराग विद्यालय में स्नैप रोल कॉल आयोजित किया गया। इस दौरान कुल 34 स्वयंसेवक उपस्थित रहे। स्वयंसेवकों की उपस्थिति दर्ज करने के साथ ही उन्हें स्नैप रोल कॉल के उद्देश्य एवं आपदा अथवा आपातकालीन परिस्थितियों में इसकी महत्ता के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर नागरी संरक्षण दल के कार्यालय से प्राप्त विभिन्न सूचनाओं एवं निर्देशों से भी स्वयंसेवकों को अवगत कराया गया। अधिकारियों ने स्वयंसेवकों को आवश्यकता के समय सक्रिय भूमिका निभाने तथा सौंपे जाने वाले दायित्वों के लिए सदैव तैयार रहने का संदेश दिया। स्नैप रोल कॉल निर्धारित समय पर शुरू होकर सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय:

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।

पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

ड्रग इंस्पेक्टर की छापेमारी से मेडिकल स्टोर संचालकों में मचा हड़कंप

सरकी, मुर्की और बंजारेपुर क्षेत्र में कई मेडिकल स्टोरों की जांच, कुछ संचालक दुकान बंद कर हुए फरार

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत तहसील क्षेत्र के सरकी, मुर्की और बंजारेपुर में बुधवार को ड्रग विभाग की टीम ने कई मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की। ड्रग इंस्पेक्टर के अचानक पहुंचने की खबर मिलते ही मेडिकल स्टोर संचालकों में हड़कंप मच गया। कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर मौके से फरार हो गए। ड्रग विभाग की टीम ने मेडिकल स्टोरों पर दवाओं के रखरखाव, बिक्री संबंधी अभिलेख, लाइसेंस और अन्य जरूरी दस्तावेजों की जांच की। टीम के पहुंचते ही आसपास के कई मेडिकल स्टोरों के शटर धड़ाधड़ गिर गए। अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

बताया जा रहा है कि विभाग की ओर से मेडिकल स्टोरों पर नियमों के अनुपालन की जांच के लिए यह कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान टीम ने कई दुकानों पर उपलब्ध दवाओं और कागजात की जानकारी जुटाई। विभाग की कार्रवाई से बिना जरूरी दस्तावेज या नियमों के विपरीत दवा बिक्री करने वाले संचालकों में भी चिंता बढ़ गई है।

संपर्क सूत्रो से पता चला कई मेडिकल स्टोर संचालकों के पास प्रतिबंधित दवा और इंजेक्शन मिले लेकिन आवाभगत से उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

ड्रग विभाग के अधिकारियों ने मेडिकल स्टोर संचालकों को दवाओं की बिक्री और भंडारण में निर्धारित नियमों का पालन करने के निर्देश दिए। कार्रवाई के संबंध में विभाग की ओर से जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही गई है।

नवप्रवेशी एमबीए छात्रों को मिला 'जॉब रेडी' बनने का संदेश

'अभिनंदन-2026' में गूंजा सफलता का मंत्र | पुरातन छात्र पीयूष सिंह ने साझा किए कॉरपोरेट सफलता के सूत्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास विभाग में एमबीए (एचआरडी) प्रथम वर्ष के नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं मार्गदर्शन के लिए गुरुवार को इंडक्शन प्रोग्राम 'अभिनंदन-2026' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एमबीए (एचआरडी) के स्वर्ण पदक विजेता पुरातन छात्र एवं हिंडाल्को ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज में ट्रेनी एग्जीक्यूटिव पीयूष सिंह रहे। इसके बाद अमृता सिंह, अनु पांडेय एवं खुशी सिंह की टीम ने विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया।

इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान नवागंतुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं विभाग की गतिविधियों, उपलब्ध संसाधनों, शैक्षणिक सुविधाओं तथा विभाग की कार्यप्रणाली से परिचित कराया गया। विद्यार्थियों ने अपना परिचय देते हुए अपनी रुचियों और करियर आकांक्षाओं पर लघु प्रस्तुतियां दीं। प्रस्तुतियों का मूल्यांकन द्वितीय वर्ष के पांच सदस्यीय निर्णायक मंडल

खुशी सिंह, अनु पांडेय, श्रेया सिंह, अनुराग तिवारी एवं अमृता सिंह ने किया। प्रतियोगिता में हसरत फातिमा ने प्रथम, शिवानी श्रीवास्तव ने द्वितीय तथा प्रांजल मौर्य ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

मुख्य अतिथि पीयूष सिंह ने अपने विश्वविद्यालय जीवन और कॉरपोरेट क्षेत्र के अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को पहले दिन से ही 'जॉब रेडी' बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अकादमिक ज्ञान के साथ प्रभावी संचार कौशल, अनुशासन, व्यवहारिक समझ और निरंतर सीखने की प्रवृत्ति कॉरपोरेट जगत में सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।

अध्यक्षीय उद्बोधन में विभागाध्यक्ष डॉ. रसिकेश ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय एवं विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को 'हम क्या नहीं कर सकते' के बजाय 'हम क्या कर सकते हैं' पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और इसे अपने जीवन का सूत्रवाक्य बनाना चाहिए।

प्राध्यापक डॉ. प्रवीण मिश्र ने कहा कि विद्या व्यक्ति को बंधन से मुक्त करती है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान के माध्यम से समाज को नई दिशा देना भी है। शिक्षक श्री अनुपम कुमार ने एचआरडी पाठ्यक्रम की उपयोगिता एवं वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को निरंतर मेहनत और कौशल विकास के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन अवंतिका यादव एवं रिषभ साहू ने किया। आयोजन को सफल बनाने में वालंटियर्स कुणाल मिश्र, निधि सिंह, कपिल यादव, काजल वर्मा, वैशाली राय, शचि सिंह, रिशिता, उज्ज्वल एवं युगान्त सिंह सहित अन्य विद्यार्थियों ने सक्रिय सहयोग किया।

मछलीशहर में चंद्रशेखर आजाद के कार्यक्रम में उमड़ा जनसैलाब

राजमहल पैलेस में बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में हुए शामिल, जंघई रोड पर लगा रहा लंबा जाम

बेकाबू भीड़ के चलते कार्यक्रम समय से पहले समाप्त, रोड शो के दौरान बाधित रहा यातायात

मछलीशहर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर की सरजमीं पर गुरुवार को भीम आर्मी चीफ एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद के आगमन से राजनीतिक माहौल गरमा गया। जंघई रोड स्थित राजमहल पैलेस में आयोजित बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक पहुंचे। चंद्रशेखर आजाद के पहुंचने से पहले ही कार्यक्रम स्थल के आसपास भारी भीड़ जमा हो गई, जिसके चलते जंघई रोड पर यातायात प्रभावित होने लगा।

राजमहल पैलेस पहुंचने के बाद चंद्रशेखर आजाद ने मंच से कार्यकताओं का अभिवादन किया। उनके संबोधन के दौरान भीड़ लगातार बढ़ती गई और स्थिति बेकाबू होने लगी। कार्यक्रम स्थल पर पैर रखने तक की जगह कम पड़ गई। बढ़ती भीड़ और व्यवस्था को देखते हुए बूथ कार्यकर्ता सम्मेलन को निर्धारित समय से पहले ही समाप्त करना पड़ा।

इसके बाद चंद्रशेखर आजाद मंच से बाहर निकले और कार्यकर्ताओं के साथ रोड शो किया। रोड शो के दौरान जंघई रोड पर भारी भीड़ उमड़ने से सड़क पूरी तरह जाम हो गई। कई घंटों तक यातायात व्यवस्था प्रभावित रही और राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

चंद्रशेखर आजाद के कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ को लेकर मछलीशहर क्षेत्र में राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं। उनके आगमन से आगामी चुनाव को लेकर क्षेत्र का सियासी माहौल गर्म नजर आया। कार्यक्रम में जुटी भीड़ को राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इससे मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र की सियासत में नए समीकरण बनने की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं।

पीयू में प्रवेश की अंतिम तिथि 10 सितंबर

बी.फार्मा छोड़ परिसर के अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश का अंतिम अवसर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश की अंतिम तिथि 10 सितंबर 2026 निर्धारित की है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार बी.फार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा CUET-UG के माध्यम से आयोजित हुई है तथा इसकी काउंसलिंग UPTAC द्वारा की जानी है। इसलिए बी.फार्मा को छोड़कर विश्वविद्यालय परिसर में संचालित अन्य सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश की अंतिम तिथि 10 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है।

विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार कुछ पाठ्यक्रमों में अभी भी सीटें रिक्त हैं। ऐसे में इच्छुक अभ्यर्थी संबंधित विभाग से संपर्क कर 10 सितंबर 2026 तक अपना प्रवेश सुनिश्चित करा लें। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

एम.एड. में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसलिंग 7 सितंबर को

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में एम.एड. पाठ्यक्रम सत्र 2026-28 में प्रवेश के लिए प्रथम काउंसलिंग सात सितंबर 2026 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित विश्वेश्वरैया हाल, यू.एन.एस. इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार एम.एड. प्रवेश परीक्षा का परीक्षाफल घोषित किया जा चुका है और इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है। प्रथम काउंसलिंग में सामान्य रैंक 001 से 200 तक के अभ्यर्थी प्रातः 10 बजे से दोपहर एक बजे तक तथा रैंक 201 से 370 तक के अभ्यर्थी दोपहर 1:30 बजे से शाम चार बजे तक शामिल हो सकेंगे। अभ्यर्थियों को निर्देशित किया गया है कि वे विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्रारूप ह्यफार्मह्ण डाउनलोड कर उसे पूर्ण रूप से भरें और काउंसलिंग के लिए जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए निर्धारित तिथि एवं समय पर काउंसलिंग स्थल पर उपस्थित हों। काउंसलिंग से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं दिशा-निर्देश विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vbspu.ac.in पर उपलब्ध हैं।

कोन क्षेत्र में विद्युत चोरों पर चला हंटर, अवैध कनेक्शनधारियों में मचा हड़कंप

मॉर्निंग रेड में 22 के खिलाफ एफआईआर, 32 बकायेदारों के काटे गए कनेक्शन; 30 उपभोक्ताओं से 1.05 लाख रुपये पार्ट पेमेंट वसूला

कोन, सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। विद्युत चोरी एवं लाइन लॉस पर अंकुश लगाने के लिए विद्युत विभाग ने कोन क्षेत्र में कार्रवाई तेज कर दी है। अधिशासी अभियंता दिलीप कुमार, विद्युत वितरण खंड पिपरी के निर्देश तथा सहायक अभियंता धीरेंद्र कुमार के पर्यवेक्षण में बुधवार को कोन सब स्टेशन से जुड़े चयनित फीडर रामगढ़ एवं कोन में मॉर्निंग रेड अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान अवैध कनेक्शनधारियों और बकायेदार उपभोक्ताओं में हड़कंप मचा रहा।

अवर अभियंता अजय कुमार गुप्ता ने बताया कि अभियान के दौरान 22 मामलों में एफआईआर दर्ज कराई गई। वहीं 7 उपभोक्ताओं के कनेक्शन को छटश-1 से छटश-2 श्रेणी में परिवर्तित किया गया तथा 5 उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगाए गए। उन्होंने बताया कि करीब 9.60 लाख रुपये के बकाये वाले 32 उपभोक्ताओं के विद्युत कनेक्शन विच्छेदित किए गए। इसके अलावा 30 उपभोक्ताओं से पार्ट पेमेंट के रूप में 1.05 लाख रुपये की वसूली की गई।

अवर अभियंता ने कहा कि विद्युत लाइन लॉस और एटी एंड सी हानियों को कम करने के उद्देश्य से कोन क्षेत्र में मॉर्निंग रेड अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि बिजली का उपयोग केवल वैध कनेक्शन लेकर ही करें तथा बकाया बिजली बिल का समय से भुगतान करें, ताकि कनेक्शन विच्छेदन एवं अन्य कार्रवाई से बचा जा सके।

उन्होंने कहा कि विद्युत आपूर्ति से संबंधित किसी भी समस्या के लिए उपभोक्ता अवर अभियंता के मोबाइल नंबर 8299393029 पर संपर्क कर अपनी समस्या का समाधान करा सकते हैं।

होमगार्ड और सिपाही भर्ती को लेकर बड़ा अपडेट, तय हुई रिजल्ट की समयसीमा

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में होमगार्ड और सिपाही के समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती प्रक्रिया को लेकर

महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। भर्ती प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की तैयारी है। जानकारी के मुताबिक, होमगार्ड भर्ती 2025 में 41 हजार 424 पदों पर चयन प्रक्रिया चल रही है। इस भर्ती का अंतिम परिणाम 30 सितंबर तक जारी किए जाने का लक्ष्य है। वहीं, सिपाही भर्ती 2025 में 32 हजार 679 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूरी की जानी है। इसका अंतिम परिणाम 31 अक्टूबर तक जारी करने की समयसीमा तय की गई है। चयनित अभ्यर्थियों की दिसंबर में नियुक्ति किए जाने की तैयारी है। भर्ती परिणाम की तारीखों को लेकर अभ्यर्थियों में उत्सुकता बढ़ गई है। निर्धारित समयसीमा के अनुसार प्रक्रिया पूरी होने पर हजारों युवाओं को पुलिस और होमगार्ड विभाग में सेवा का अवसर मिलेगा।

बारिश में जर्जर मकानों पर मंडरा रहा हादसे का खतरा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लगातार हो रही बारिश के बीच जौनपुर शहर के पुराने और जर्जर मकानों का खतरा बढ़ गया है। शहर के विभिन्न मोहल्लों में आधा दर्जन से अधिक ऐसे मकान बताए जा रहे हैं, जिनकी दीवारें, छत और छज्जे बेहद कमजोर हो चुके हैं। कई परिवार इन

मकानों में जान जोखिम में डालकर रहने को मजबूर हैं। बुधवार को मानिक चौक कोतवाली क्षेत्र में एक पुराने मकान का जर्जर हिस्सा अचानक भरभराकर गिर गया। गनीमत रही कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद शहर के अन्य जर्जर भवनों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बताया जाता है कि कई जर्जर मकान पारिवारिक विवाद, स्वामित्व संबंधी मामलों और न्यायालय में चल रहे मुकदमों में फंसे हैं। ऐसे में प्रशासन के सामने कानूनी प्रक्रिया के साथ जनसुरक्षा सुनिश्चित करने की चुनौती है। वहीं, कुछ मामलों में कार्रवाई नोटिस तक सीमित रहने की बात सामने आ रही है।

स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन और नगर निकाय से जर्जर मकानों का तत्काल सर्वे कराने, खतरनाक भवनों को चिन्हित करने, उनके आसपास सुरक्षा व्यवस्था करने तथा जोखिम वाले मकानों में रह रहे परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की मांग की है। बारिश के बीच नागरिकों का सवाल है कि किसी बड़े हादसे का इंतजार करने के बजाय प्रशासन जर्जर मकानों के खिलाफ समय रहते प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा है? संपत्ति विवाद का समाधान भले ही समय ले, लेकिन जनसुरक्षा को प्राथमिकता देकर संभावित हादसे को टाला जा सकता है।

मोबाइल की लत पर कलम से वार, विद्यावती प्रेरणा पुरस्कार से नवाजे गए होनहार

खुटहन, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। रुस्तमपुर की पूर्व प्रधान स्व. विद्यावती पांडेय की पुण्य स्मृति में गुरुवार को पं. दीनदयाल उपाध्याय बालिका इंटर कॉलेज, रुस्तमपुर में ह्यविद्यावती प्रेरणा पुरस्कार-2026ह्ण के तहत हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय मोबाइल की बढ़ती लत : सुविधा से समस्या तक था।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्व. विद्यावती पांडेय की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके हुआ। विद्यालय के प्रबंधक श्रीकृष्ण पांडेय ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री सुभाष पांडेय रहे, जबकि अध्यक्षता श्री वीरेंद्र मिश्र ने की।

निबंध प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने मोबाइल के बढ़ते इस्तेमाल के साथ उसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को प्रभावी ढंग से रेखांकित किया। कक्षा 10वीं के आदर्श वर्मा ने प्रथम, अंशिका मिश्रा ने द्वितीय और शिवराज गौतम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कृति जोरिया एवं समीक्षा जोरिया को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि सुभाष पांडेय ने

कहा कि विद्यावती प्रेरणा पुरस्कार विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान देने और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने की सराहनीय पहल है।

विशिष्ट अतिथि एवं वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडेय ने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में शिक्षा, साहित्य और रचनात्मक अभिव्यक्ति के प्रति रुचि पैदा करते हैं और उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं। कार्यक्रम अध्यक्ष वीरेंद्र मिश्र ने कहा कि स्व. विद्यावती पांडेय की स्मृति को जीवंत रखते हुए विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना इस पुरस्कार की सार्थक पहल है।

इस अवसर पर कैप्टन अशोक उपाध्याय, देवी प्रसाद उपाध्याय, बंशबहादुर पाल, सुशील पांडेय, ओमप्रकाश उपाध्याय एवं राजेश पांडेय ने भी विचार व्यक्त कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में जगदीश पांडेय, डॉ. अनिल तिवारी, अशोक मिश्रा, ओमप्रकाश मिश्रा, दिनेश यादव, ब्रह्मदेव मिश्रा, किशन यादव एवं हीरालाल गौतम सहित बड़ी संख्या में अभिभावक, ग्रामवासी एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे। संचालन बृजेंद्र तिवारी तथा प्रधानाचार्या प्रिया पांडेय ने लोगों के प्रति आभार जताया।

बीएचयू विश्वनाथ मंदिर प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के काशी हिंदू विश्वविद्यालय परिसर स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रांगण में गुरुवार को पर्यावरणविद अनिल सिंह के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत बृहद पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कृषि विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ बीके मिश्रा, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ उद्यान अधिकारी अश्वनी कुमार देशवाल, डॉ प्रकाश अश्वतप्पा, डिप्टी डायरेक्टर अरुण प्रकाश यादव ने संयुक्त रूप से लाल चंदन, सफेद चंदन और रुद्राक्ष सहित विभिन्न औषधीय पौधों का रोपण किया। पर्यावरणविद अनिल सिंह ने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण और नशा मुक्ति की शपथ दिलाई।मुख्य अतिथि डॉ बीके मिश्रा ने कहा कि पौधरोपण से ही

पर्यावरण संतुलन बना रहेगा, युवाओं को आगे आना चाहिए। विशिष्ट अतिथि अश्वनी कुमार देशवाल ने कहा कि परिसर को हरा-भरा बनाने के लिए विभाग निरंतर प्रयासरत है। पर्यावरणविद अनिल सिंह ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम लगाना प्रकृति की सच्ची सेवा है, सभी को एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। इस अवसर पर प्रकाश आनंद, लाल चंद्रपाल, गंगाराम, नागेंद्र वर्मा, राजेश, साधु प्रसाद, शिवपूजन, प्रदीप यादव, रामदुलार सहित उद्यान विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में फ्रेंड्स ग्रुप ट्रस्ट का भव्य सम्मान समारोह

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक बोले-सकारात्मक कार्य करने वाली प्रतिभाओं को मंच देना सराहनीय

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। लखनऊ विश्वविद्यालय के अरबी-फारसी विभाग में बुधवार को फ्रेंड्स ग्रुप ट्रस्ट एवं जारा इवेंट्स के संयुक्त तत्वावधान में भव्य सम्मान समारोह, कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और साहित्यिक जगत की कई प्रमुख हस्तियों ने शिरकत की। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मान-पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक रहे। उन्होंने फ्रेंड्स ग्रुप ट्रस्ट के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक कार्य करने वाली प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना और उन्हें एक मंच पर लाना सराहनीय पहल है। सम्मान मिलने से प्रतिभाओं का उत्साह बढ़ता है और अन्य लोगों को भी समाजहित में बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

साहित्य समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम: कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का उद्घाटन इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी ने शमा रोशन कर किया। उन्होंने कहा कि साहित्यिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का काम करते हैं। कवि सम्मेलन और मुशायरे आपसी भाईचारे, सामाजिक सौहार्द और मेल-जोल की भावना को मजबूत करने के साथ ही हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि साहित्य लोगों को एक-दूसरे के करीब लाने का प्रभावी माध्यम है। समाज में भाईचारा और सौहार्द मजबूत होगा तो देश की प्रगति को भी नई दिशा मिलेगी।

न्यायमूर्ति सैयद कमर हसन रिजवी ने कहा- कवि सम्मेलन और मुशायरे भाईचारे व सांस्कृतिक विरासत को करते हैं मजबूत

कुलपति जयप्रकाश सैनी ने की आयोजन की सराहना: कार्यक्रम की अध्यक्षता लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति जयप्रकाश सैनी ने की। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि साहित्य, संस्कृति और सामाजिक विमर्श को आगे बढ़ाने का भी महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों और नई पीढ़ी को साहित्य एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सिराज मेंहदी का मनाया गया जन्मदिन: कार्यक्रम से पूर्व पूर्व एमएलसी सिराज मेंहदी का जन्मदिन अतिथियों ने केक काटकर मनाया। सिराज मेंहदी ने सभी अतिथियों और आयोजकों के प्रति आभार जताते हुए भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक एवं साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

कई विशिष्ट हस्तियों की रही मौजूदगी: समारोह में विधायक रमेश चंद्र मिश्रा, पूर्व एमएलसी सिराज मेंहदी, विधायक डॉ. आरके पटेल, अशरफ खान, अपना दल (एस) के राष्ट्रीय महासचिव पप्पू माली, प्रेस मान्यता समिति उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष हेमंत तिवारी, सांसद जगदंबिका पाल, पूर्व डीजीपी रिजवान अहमद, पूर्व मंत्री नसीरुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व मंत्री अब्दुल मन्नान, टीले वाली मस्जिद के पेश इमाम कारी अब्दुल मन्नान, इंसाराम अली, पूर्व मंत्री नदीम जायसी, सुरेश बहादुर सिंह, राजेश सिंह, पूर्व आईएएस प्रकाश चंद्र श्रीवास्तव, गजल गायक मिथिलेश लखनवी, डॉ. विवेक श्रीवास्तव, नितिन सिंह, सरदार मनमोहन सिंह, सरदार तरनजीत सिंह, डॉ. रुचि शर्मा समेत अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रतिभाओं का हुआ सम्मान: सम्मान समारोह में रजनीकांत मिश्रा, रवि प्रकाश पांडेय, डॉ. रुचि शर्मा, हर्षवर्धन रघुवंशी, वासु अग्रहरि, राहुल शेख, हसनैन कमर 'दीपू', रमापति तिवारी, मयंक तिवारी, मोहम्मद सोहेल, मोहम्मद शेख, शकील अहमद, अजमत, कातिल शेख, डॉ. नासिर खान, वहीद भाई सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कवियों और शायरों ने बांधा समां: सम्मान समारोह के बाद कवि सम्मेलन एवं मुशायरे में कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं से देर रात तक श्रोताओं को बांधे रखा। हास्य, व्यंग्य, प्रेम, देशभक्ति, सामाजिक सरोकार और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ी प्रस्तुतियों पर सभागार तालियों से गूंज उठा। कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से प्रेम, एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश दिया। कार्यक्रम में डॉ. माजिद देवबंदी, डॉ. हरिओम, जोहर कानपुरी, शबीना अदीब, अजहर इकबाल, हिमांशी बावरा, अफजल इलाहाबादी, अखिलेश द्विवेदी और सर्वेश अस्थाना समेत कई साहित्यकारों एवं शायरों की मौजूदगी रही।

कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। फ्रेंड्स ग्रुप ट्रस्ट के अध्यक्ष मिनाज सलमान शेख ने अतिथियों, सम्मानित प्रतिभाओं, कवियों, शायरों और उपस्थित लोगों का स्वागत किया। आयोजन की इवेंट मैनेजमेंट व्यवस्था जारा इवेंट्स की ओर से संभाली गई। समारोह के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया। सम्मान, साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सौहार्द के इस संगम ने राजधानी में भाईचारे और सांस्कृतिक एकता का संदेश दिया।

पांडेयपुर पुलिस की तत्परता: ऑटो में छूटा बैग 6 घंटे में बरामद

गहने व जरूरी दस्तावेज सुरक्षित लौटाए

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में बिहार के कैमूर-भभुआ से बीएड में एडमिशन के लिए अपनी पत्नी के साथ वाराणसी आए कृष्णा पटेल का जरूरी दस्तावेजों और ज्वेलरी के साथ बैग कैंट से पांडेयपुर जाने के दौरान ऑटो में छूट गया। पांडेयपुर पहुंचने के बाद बैग गायब होने की जानकारी होने पर

पीड़ित ने तत्काल पांडेयपुर पुलिस चौकी पहुंचकर लिखित सूचना दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए चौकी प्रभारी दिनेश सिंह के नेतृत्व में एसआई करुणाशील, कांस्टेबल हिमांशु, कांस्टेबल अमरेश यादव समेत पुलिस टीम ने तत्काल छानबीन शुरू की। पुलिस टीम ने ऑटो और उसके संभावित मार्ग की जानकारी जुटाते हुए लगातार प्रयास किया और करीब छह घंटे के भीतर बैग को खोज निकाला। बैग में मौजूद ज्वेलरी, शैक्षणिक प्रमाणपत्र एवं अन्य जरूरी दस्तावेज सुरक्षित बरामद किए गए। पुलिस टीम ने बरामद सामान को विधिवत पीड़ित कृष्णा पटेल के सुपुर्द कर दिया। अपना सामान सुरक्षित वापस मिलने पर कृष्णा पटेल और उनकी पत्नी ने पांडेयपुर पुलिस टीम का आभार जताया और पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की। पुलिस की इस तत्परता से न सिर्फ पीड़ित को बड़ी राहत मिली, बल्कि वाराणसी पुलिस की संवेदनशीलता और सक्रियता भी सामने आई।पीड़ित के अनुसार बैग में रखे शैक्षणिक दस्तावेज और जेवरात उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण थे और इनके खो जाने से उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता था। समय रहते पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के चलते उनका सामान सुरक्षित वापस मिल गया।

अधूरे हाईवे पर टोल वसूली का विरोध!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में वाराणसी -आजमगढ़ मार्ग (NH-233) के ढेरही टोल प्लाजा पर 30 सितंबर को धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी गई है। पूर्वांचल किसान संगठन का आरोप है कि हाईवे का बड़ा हिस्सा अब भी अधूरा है, फिर भी टोल वसूला जा रहा है। संगठन ने 15 सितंबर तक कार्रवाई का अल्टीमेटम दिया है। किसानों के लंबित मुआवजे, स्थानीय वाहनों को टोल राहत और अधूरे मार्ग पर भारी वाहनों के लिए नो एंट्री की भी मांग की गई है। कार्रवाई नहीं हुई तो 30 सितंबर को ढेरही टोल प्लाजा पर आंदोलन होगा।

सिटी मजिस्ट्रेट कोर्ट के निर्णय पर जिला जज की अदालत ने लगाई मुहर,

सहारनपुर (उत्तरशक्ति)। कलक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के मामले पर सुनवाई करते हुए जिला जज सतेंद्र कुमार की अदालत ने सिटी मजिस्ट्रेट अदालत के आदेश को बरकरार रखा है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि भूमि केसर-ए-हिंद मतलब सरकार की है। अदालत ने मस्जिद पक्ष की ओर से दायर याचिका को निरस्त कर दिया। मस्जिद पक्ष की ओर से अदालत में याचिका दायर कर सिटी मजिस्ट्रेट न्यायालय के 16 जुलाई 2026 के आदेश को चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया था कि सिटी मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा तथ्यों को दरकिनार करते हुए फैसला दिया गया है। मस्जिद पक्ष की ओर से कहा गया कि मस्जिद सुन्नी वक्फ बोर्ड में पंजीकृत है। ऐसे में मस्जिद वक्फ संपत्ति है। इसकी सुनवाई का अधिकार सुन्नी वक्फ सेंट्रल बोर्ड लखनऊ को है।

उन्होंने दलील दी कि 1991 का वर्शिप एक्ट भी 15 अगस्त 1947 से पहले बने धार्मिक ढांचे की स्थिति को यथावत रखने की अनुमति देता है। साथ ही यह भी दलील रखी कि खेवट नंबर 10/1 आज भी रिकॉर्ड के मुताबिक वाहिद खान, याकूब खान के नाम है। यह संपत्ति आज भी उनके नाम चली आ रही है। संपत्ति 1947 से पहले की है। मस्जिद पक्ष की ओर से एक जनवरी 1911 के बिजली बिल, नगर पालिका परिषद में दर्ज नाम समेत अन्य साक्ष्यों को अदालत के सामने रखा गया।

शासकीय अधिवक्ता विनय चौहान और सहायक शासकीय अधिवक्ता अविनाश त्यागी ने पक्ष रखा। अदालत के सामने दलील दी कि बिजली के जिस बिल को अदालत के समक्ष रखा गया है। वह रविवार अवकाश वाले दिन का है। इसके साथ ही महानगर में 1922 में बिजली पहुंची थी। इसका वितरण 1928 से शुरू हुआ। बताया कि खसरा नंबर 539 रकबा 5.780 हेक्टेयर ग्राम पठानपुरा तहसील व जिला कचहरी कलक्ट्रेट स्थित है। फसली वर्ष 1296 जो 1888-89 होता है।

भूमि केसर-ए-हिंद के नाम है, साथ ही कलक्ट्रेट कचहरी भी दर्ज है। भूमि बाद में भारत सरकार को हस्तांतरित हो गई। पहले खसरा नंबर 383 और खेवट नंबर 31 था, जो बाद में बदलकर खसरा नंबर 539 हो गया है। 1324 और 1359 फसली वर्ष में भी कलक्ट्रेट-कचहरी दर्ज है। मस्जिद दर्ज होने के कोई प्रमाण नहीं है। खेवट में नाम दर्ज होने के मामले पर शासकीय अधिवक्ताओं ने दलील दी कि भूमि सरकारी है। वर्शिप एक्ट के मामले पर अधिवक्ताओं ने दलील रखते हुए कहा कि एक्ट के प्रावधानों के तहत यह प्रभावी नहीं है। कब्जा सरकारी भूमि पर किया गया है।

जिला जज की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए 17 तारीखों में फैसला सुनाया है। मस्जिद पक्ष की ओर से 20 जुलाई 2026 को अदालत में याचिका दाखिल की गई थी। इसके बाद अदालत ने नियमित सुनवाई करते हुए इस पर दो सितंबर को अपना अंतिम फैसला सुनाया।

स्कूल बस ने तीन साल का मासूम को कुचला, मौके पर मौत

मेरठ (उत्तरशक्ति)। परीक्षितगढ़ क्षेत्र में भावना इंटरनेशनल स्कूल की बस की चपेट में आने से तीन वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। कार्रवाई की मांग को लेकर परिजन बच्चे का शव लेकर थाने पहुंच गए। करीब दो घंटे तक पुलिस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए गुस्साए परिजनों ने थाने के सामने शव रखकर जाम लगा दिया। गांव आलमगीरपुर बढ़ला निवासी पिंस का तीन वर्षीय पुत्र नवनीत अपनी दादी उर्मिला के पीछे आया था। इसी दौरान वह स्कूल बस की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि नवनीत की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। मृतक की पांच वर्षीय बहन जसमीत कौर भावना इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ती है। हादसे के बाद परिजन नवनीत का शव लेकर परीक्षितगढ़ थाने पहुंच गए। उन्होंने बस चालक और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। परिजनों का आरोप है कि थाने पहुंचने के बाद भी करीब दो घंटे तक पुलिस की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। थाने के सामने जाम लगने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। यातायात व्यवस्था बिगड़ने के बाद पुलिस सक्रिय हुई और हादसे में शामिल स्कूल बस को पकड़कर थाने में खड़ा कराया। परिजनों ने पुलिस पर स्कूल मालिक को बचाने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि हादसे के लिए जिम्मेदार सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मामले को लेकर दोनों पक्षों के बीच समझौते के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले को संभालने में जुटी हुई है।

जर्जर मकान की छत ढही, मलबे में दबी महिला घायल

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के बाजबहादुर मोहल्ले में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रोड किनारे स्थित कादरी मस्जिद के पास कलेक्ट्रेट के पूर्व पेशकार स्वर्गीय अयूब के जर्जर तीन मंजिला मकान की छत अचानक भरभराकर गिर गई। हादसे के वक्त मकान में मौजूद एक महिला मलबे में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि परिवार के अन्य सदस्य बाल-बाल बच गए।

जानकारी के मुताबिक घटना सुबह करीब 7 बजे की है। मकान में स्वर्गीय अयूब की 75 वर्षीय पत्नी अनवरी बेगम, 40 वर्षीय बेटा सलीम, 55 वर्षीय बहन सलमा बानो और उनका 15 वर्षीय भांजा मोहम्मद यूसुफ रहते हैं। सुबह के वक्त सलीम अपने काम पर निकल चुका था और यूसुफ स्कूल गया हुआ था। तभी लगातार हो रही बारिश के चलते मकान की ऊपरी फिर दूसरे और तीसरे मंजिल की छत अचानक ढह गई, जिसकी चपेट में आकर अनवरी बेगम और सलमा बानो मलबे के नीचे दब गईं। तेज आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे स्थानीय निवासियों ने तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद दोनों महिलाओं को मलबे से बाहर निकाला। हादसे में सलमा बानो को गंभीर चोटें आई हैं, जिन्हें तुरंत एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। छत ढहने के बावजूद जर्जर मकान की बेहद कमजोर हो चुकी दीवारें अभी भी सीधी खड़ी हैं, जो कभी भी गिर सकती हैं।

प्रशासन की ओर से एहतियात के तौर पर मकान के बाहर केवल रस्सी बांधकर बैरिकेडिंग कर दी गई है। इसके बावजूद व्यस्त सड़क होने के कारण वहां से राहगीरों और वाहनों का आना-जाना लगातार जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हवा या मामूली झटके से भी ये दीवारें भरभराकर सड़क पर गिर सकती हैं, जिससे कोई बड़ा हादसा हो सकता है। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से जर्जर दीवारों को जल्द से जल्द सुरक्षित तरीके से ध्वस्त कराने की मांग की है।

विकसित भारत और सुरक्षित भारत के निर्माण के लिए विकास और सुरक्षा का साथ-साथ चलना जरूरी: पंकज भोयर

मुंबई(उत्तरशक्ति)। भारत में तेजी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और बुनियादी ढांचे के विकास के साथ देश को न केवल वैश्विक अग्नि एवं सुरक्षा तकनीकों को अपनाने की जरूरत है, बल्कि स्वदेशी तकनीक और समाधान विकसित कर उन्हें दुनिया तक पहुंचाने की भी आवश्यकता है। यह बात महाराष्ट्र सरकार के खनन, सहकारिता एवं स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर ने मुंबई में आयोजित 9वें फायर एंड सिक्योरिटी इंडिया एक्सपो (FSIE) 2026 के उद्घाटन अवसर पर कही। मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया की भूमिका पर जोर देते हुए डॉ. भोयर ने कहा कि भारत को दुनिया से तकनीक खरीदने से आगे बढ़कर दुनिया के लिए तकनीक विकसित करने की दिशा में काम करना चाहिए। इसके साथ ही देश में एक मजबूत और आत्मनिर्भर अग्नि सुरक्षा तंत्र विकसित करना भी जरूरी है।

कार्यक्रम में उपस्थित महाराष्ट्र सरकार की शहरी विकास, परिवहन, सामाजिक न्याय, चिकित्सा शिक्षा एवं अल्पसंख्यक विकास राज्य मंत्री श्रीमती माधुरी मिसाल ने कहा कि अग्नि सुरक्षा को भवन निर्माण पूरा होने के बाद केवल अनुपालन की प्रक्रिया के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे डिजाइन और निर्माण के शुरूआती चरण से ही भवन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें

प्रमाणपत्र आधारित अनुपालन से आगे बढ़कर निरंतर अग्नि सुरक्षा और तैयारी पर जोर दें: माधुरी मिसाल

भवन की संरचना, विद्युत एवं जल प्रणालियां, निकासी व्यवस्था, अग्निशमन प्रणालियां तथा भवन के पूरे जीवनचक्र के दौरान उनकी नियमित जांच और रखरखाव शामिल होना चाहिए।

डॉ. पंकज भोयर ने कहा कि भारत के विकास के साथ सुरक्षा तैयारियों को भी मजबूत करना होगा। इसके लिए नवाचार, उन्नत तकनीक, प्रशिक्षित पेशेवरों और प्रभावी क्रियान्वयन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उद्यमियों, निमार्ताओं, स्टार्टअप्स और टेक्नोलॉजी कंपनियों से महाराष्ट्र में निवेश और उत्पादन बढ़ाने तथा राज्य में विकसित सुरक्षा समाधानों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का आह्वान किया।

डॉ. भोयर ने कहा, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया के माध्यम से हमें दुनिया से केवल तकनीक खरीदने तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि दुनिया के लिए तक निर्माण करें, यहीं उत्पादन करें और यहीं रोजगार के अवसर पैदा करें तथा महाराष्ट्र में विकसित सुरक्षा समाधानों को पूरी दुनिया तक पहुंचाएं। उन्होंने आगे कहा, विकास और सुरक्षा हमेशा साथ-साथ चलने चाहिए। जैसे-जैसे भारत और महाराष्ट्र आगे बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे हमारी जिम्मेदारी भी बढ़नी चाहिए। हर इमारत, कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थान को केवल विकास के लिए नहीं, बल्कि सबसे पहले नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती माधुरी मिसाल ने कहा कि अग्नि सुरक्षा को केवल मंजूरी और प्रमाणपत्र प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसके लिए नियमित निरीक्षण, परीक्षण, रखरखाव और अनुपालन की निरंतर प्रक्रिया जरूरी है। उन्होंने कहा, अग्नि सुरक्षा केवल फायर एक्सटिंग्विशर लगाने या फायर एनओसी प्राप्त करने तक सीमित नहीं हो सकती। सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए, जिसमें भवन के पूरे जीवनचक्र के दौरान सभी सुरक्षा प्रणालियों का नियमित निरीक्षण, परीक्षण और रखरखाव किया जाए।

श्रीमती मिसाल ने आगे कहा, हमें प्रमाणपत्र आधारित दृष्टिकोण से आगे बढ़कर निरंतर सुरक्षा और तैयारी के दृष्टिकोण को अपनाने की जरूरत है। FSIE सरकार, उद्योग, आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स, कंसल्टेंट्स और टेक्नोलॉजी प्रदाताओं को एक मंच पर लाकर जमीनी स्तर पर सुरक्षा उपायों के बेहतर क्रियान्वयन को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए फायर एंड सिक्योरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (FSAI) की नेशनल प्रेसिडेंट सुश्री राखी दीपक ने देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और तकनीक की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है। FSIE सरकार, उद्योग, पेशेवरों और टेक्नोलॉजी प्रदाताओं को एक साझा उद्देश्य के साथ एक मंच पर लाता है, ताकि ज्ञान का आदान-प्रदान हो, साझेदारियां विकसित हों और एक अधिक सुरक्षित भारत के निर्माण में योगदान दिया जा सके।

नोवा एग्जिबिशंस एंड कॉन्फ्रेंसेज के को-फाउंडर एवं डायरेक्टर श्री सिद्धार्थ सराफ ने कहा, “FSIE 2026 ऐसा मंच है, जहां तकनीक, विशेषज्ञता और उद्योग नेतृत्व एक साथ आकर अग्नि सुरक्षा और सुरक्षा व्यवस्था को आगे बढ़ाने में योगदान देते हैं।

हमारा उद्देश्य सार्थक संवाद को बढ़ावा देना, नए और प्रभावी समाधानों को प्रदर्शित करना तथा एक सुरक्षित और अधिक सुदृढ़ भारत के लिए तैयारियों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा, सुरक्षित भारत का हमारा विजन तभी वास्तविकता बन सकता है, जब लोग, तकनीक और विचार एक साथ आएं। FSIE इस विजन को जमीनी स्तर पर कार्रवाई में बदलने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है ।ॡ

FSIE 2026 में फायर, सेफ्टी और सिक्योरिटी से जुड़े पूरे इकोसिस्टम को एक मंच पर लाया गया है। एक्सपो में 240 से अधिक प्रदर्शक ब्रांड, 70 से अधिक वक्ता और हजारों उद्योग जगत के नेता एवं निर्णयकर्ता भाग ले रहे हैं। एक्सपो में फायर प्रोटेक्शन, लाइफ सेफ्टी, सिक्योरिटी, सर्विलांस, बिल्डिंग ऑटोमेशन और इमरजेंसी रिस्पॉन्स से जुड़े समाधान प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक), इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT), स्मार्ट सेंसर, एडवांस्ड फायर डिटेक्शन और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर विशेष जोर दिया गया है, जो तेज प्रतिक्रिया और बेहतर आपातकालीन तैयारियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं।

FSIE 2026 को महाराष्ट्र सरकार और उसके शहरी विकास विभाग (Maha UDD) सहित विभिन्न प्रमुख सरकारी संस्थाओं और संस्थागत भागीदारों का समर्थन प्राप्त है। यह समर्थन अग्नि सुरक्षा, रोकथाम, आपातकालीन तैयारी और मजबूत एवं सुरक्षित बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

FSIE 2026 का उद्देश्य भारत को आपदा के बाद प्रतिक्रिया देने वाली व्यवस्था से आगे बढ़ाकर सक्रिय रोकथाम और तैयारी की दिशा में ले जानाहै। यह मंच तकनीक, विशेषज्ञता, ज्ञान और उद्योग के बीच सहयोग को एक साथ लाकर सुरक्षित, स्मार्ट और अधिक सुदृढ़ भवनों एवं बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान देने का प्रयास करता है।

पवारा स्थित आद्धेश्वर महादेव मंदिर से चोरी हुई मूर्तियां और घंटे बरामद

विष्णु कांत मिश्रा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जौनपुर पुलिस ने मंदिरों से मूर्तियां और घंटे चुराने वाले एक गिरोह के 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की गई मूर्तियां, मंदिर के घंटे और चोरी में इस्तेमाल की गई गाड़ी भी बरामद की है।सीओ सिटी गोल्डी गुप्ता ने बुधवार दोपहर 12 बजे पुलिस लाइन में पत्रकारों को इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह एक पूरा गैंग है जो अलग-अलग मंदिरों में चोरी करता था।

गिरोह ने 11 अगस्त को पवारा थाना क्षेत्र के आद्धेश्वर महादेव मंदिर से अष्टधातु की राम, सीता और लक्ष्मण की मूर्तियां और घंटे चुराया था। इसके बाद लाइन बाजार क्षेत्र के मंदिर से भी घंटे चोरी किए थे। मीरगंज क्षेत्र में घंटे चोरी होने की दो-तीन घटनाएं सामने आई थीं। इन

मामलों को सुलझाने के लिए पवारा, मीरगंज, लाइन बाजार थाना पुलिस के अलावा सर्विलांस टीम भी लगी थी। मंगलवार देर रात टीमों ने घेराबंदी की और रामपुर क्षेत्र के कुम्भापुर से इन आरोपियों को पकड़ा। जीसमे गिरोह का मुख्य सरगना शिवप्रकाश तिवारी उर्फ राजन तिवारी है। उसका छोटा भाई ब्रह्मदेव तिवारी उर्फ ओम, जमालपुर निवासी रोहित गुप्ता, रामपुर निवासी रामबाबू जायसवाल, गोपालपुर निवासी रोहित गुप्ता इन तीनों के पास बर्तन की दुकान है। चोरी का सामान बेचने और खरीदने वाले भी पकड़े गए हैं। पुलिस ने कुल 21 घंटे और चोरी में इस्तेमाल एक कार को भी बरामद की है। बता दें 11 अगस्त 2026 को मंदिर के पुजारी पंडित सुशील मिश्र प्रातः मंदिर पर पहुंचे तो देखा कि मंदिर से राम , लक्ष्मण,सीता की अष्ट धातु की मुर्ति और घंटे चोरी हो गए हैं। उन्होंने मंदिर के , संरक्षक दिनेश तिवारी (उत्तर प्रदेश शासन के पूर्व पुलिस अधिकारी) को अवगत कराया। उन्होंने तत्काल मंदिर में हुए चोरी का मामला थाना पवारा में दर्ज कराया। पवारा थाना के अधिकारियों ने संज्ञान में लेते हुए जांच शुरू कर दी और सफलता भी प्राप्त की तथा मुर्तियां , घंटे बरामद हुए। क्षेत्र के लोगों ने पुलिस प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बाबा सिंह की पहल पर मुसहर बस्ती में पहुंचेगी बिजली

विधायक रमेश सिंह ने खंभा, तार और ट्रांसफार्मर लगवाने के दिए निर्देश

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड शाहगंज के डोमनपुर स्थित मुसहर बस्ती के लोगों के लिए लंबे समय से चली आ रही बिजली की समस्या दूर होने की उम्मीद जगी है। चर्चित सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व प्रधान प्रतिनिधि उमेश कुमार उर्फ बाबा सिंह की पहल पर शाहगंज विधायक रमेश सिंह ने मुसहर बस्ती में विद्युतीकरण कराने की पहल की है। बाबा सिंह ने विधायक से मुलाकात कर बस्ती की समस्या को प्रमुखता से उठाया, जिसके बाद विधायक ने तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। उमेश कुमार उर्फ बाबा सिंह ने

विधायक को बताया कि मुसहर बस्ती में बिजली की सुविधा न होने से परिवारों को अंधेरे में रहना पड़ता है। बच्चों की पढ़ाई से लेकर रोजमर्रा के काम तक प्रभावित होते हैं। उन्होंने बस्ती में बिजली के खंभे, तार और ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग रखी। विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को विद्युतीकरण का कार्य कराने के निर्देश दिए हैं। उमेश कुमार उर्फ बाबा सिंह ने सिधाई मंदिर परिसर में रात के समय प्रकाश की व्यवस्था के लिए सोलर लाइट लगवाने की मांग भी विधायक के समक्ष रखी। इस पर विधायक ने सहमति जताई। विधायक की ओर से पहल शुरू होने की जानकारी मिलते ही मुसहर बस्ती के लोगों में खुशी है। ग्रामीणों ने उमेश कुमार उर्फ बाबा सिंह के प्रयास और विधायक रमेश सिंह के प्रति आभार जताया।

दशहरा मेला में बिहार के उद्यमियों को सशक्त बनाने पर मंथन, सरकारी योजनाओं और वित्तीय सहायता की दी गई जानकारी

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार के उद्यमियों, विशेषकर महिला उद्यमियों और गृहणियों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें सरकारी योजनाओं, वित्तीय सहायता, नवाचार आधारित व्यवसाय और बाजार की संभावनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से बिहार महिला उद्योग संघ की ओर से दशहरा मेला में बिहार के उद्यमियों का सशक्तीकरण : सरकारी सहयोग, वित्तीय सहायता, नव उद्यम के अवसर एवं घरेलू व्यवसाय विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। ज्ञान भवन के प्रथम तल पर आयोजित इस संगोष्ठी में सरकारी विभागों, बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों, उद्योग जगत और नव उद्यम क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों ने उद्यमिता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ साधना झा ने किया और इस कार्यक्रम में एमएसएमई डीएफओ की श्रीमती स्वेता ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और सहायता की जानकारी देते हुए कहा कि छोटे उद्यमियों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अपने व्यवसाय को विस्तार देने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सही जानकारी और मार्गदर्शन के साथ छोटे व्यवसाय भी बड़े उद्यम का

रूप ले सकते हैं। बीआईए के अध्यक्ष रामलाल खेतान ने बिहार में उद्योग एवं व्यवसाय की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राज्य में उद्यमियों के लिए अवसर लगातार बढ़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उत्पादन, रोजगार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए उद्योग जगत और नए उद्यमियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। बिहार महिला उद्योग संघ की अध्यक्ष उषा झा ने महिला सशक्तीकरण को आर्थिक आत्मनिर्भरता से जोड़ते हुए कहा कि महिलाओं और गृहणियों के हुनर को व्यवसायिक अवसरों से जोड़ना जरूरी है। उन्होंने कहा कि घर से शुरू होने वाले छोटे व्यवसायों को उचित प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार उपलब्ध कराया जाए तो वे सफल उद्यम बन सकते हैं।

अटल इनक्यूबेशन सेंटर के मुख्य संचालन अधिकारी प्रमोद कर्ण ने नव उद्यम और मार्गदर्शन की भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि नए विचारों को सही मार्गदर्शन, परामर्श और संपर्क मिले तो युवा उद्यमी अपने विचारों को सफल व्यवसाय में बदल सकते हैं। उन्होंने नवाचार आधारित उद्यमों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. राणा ने उद्योग, बाजार और व्यवसाय के अवसरों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी उद्यम की सफलता के लिए बाजार की मांग को समझना और उसके अनुरूप उत्पाद एवं सेवाएं विकसित करना आवश्यक है। उन्होंने कौशल, नवाचार और बेहतर व्यवसाय योजना को उद्यमिता की सफलता का आधार बताया। एसबीआई की वीणा सिंह ने उद्यमियों के लिए बैंकिंग एवं वित्तीय सहायता के विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि बेहतर व्यवसाय योजना और सही वित्तीय दस्तावेजों के साथ उद्यमी बैंकिंग सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

उन्होंने वित्तीय अनुशासन को व्यवसाय की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण बताया। नाबार्ड के डीजीएम जितेंद्र कुमार ने ग्रामीण एवं महिला उद्यमियों के लिए उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि आधारित, खाद्य प्रसंस्करण और घरेलू व्यवसाय के विस्तार की काफी संभावनाएं हैं। उद्योग विभाग के सहायक निदेशक प्रशांत कुमार ने उद्यमियों के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और औद्योगिक अवसरों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि नए उद्यमियों को योजनाओं की सही जानकारी लेकर उनका लाभ उठाना चाहिए। विधान परिषद सदस्य शशि यादव ने महिला उद्यमिता और आर्थिक आत्मनिर्भरता पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को रोजगार तलाशने के साथ-साथ रोजगार देने वाली उद्यमी बनने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने महिला उद्यमियों को हर स्तर पर सहयोग देने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम की संचालक प्रेर्णा प्रताप ने विभिन्न सत्रों एवं मुख्य परिचर्चा का संचालन किया। उन्होंने कहा कि गृहिणी से उद्यमी तक– विचार से व्यवसाय तक जैसी चर्चाएं महिलाओं को अपने हुनर और विचारों को व्यवसाय में बदलने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने प्रतिभागियों के सवालों को विशेषज्ञों तक पहुंचाते हुए संवाद को प्रभावी बनाया। संगोष्ठी में सरकारी योजनाओं, ग्रामीण उद्यमिता, सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों के लिए वित्तीय सहायता, बैंक ऋण, उद्योग एवं बाजार के अवसर तथा घरेलू व्यवसाय जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से सीधे सवाल पूछे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला उद्यमी, गृहणियां, नव उद्यमी, युवा और व्यवसायी उपस्थित रहे।

रोडवेज बस ने बाइक को मारी टक्कर

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के जंगल बड़हरा निवासी निजामुद्दीन बृहस्पतिवार सुबह बाइक से बहू अफसाना (35), पत्नी अजबुद्दीन और 27 दिन के पोते हमजा को इलाज के लिए गोरखपुर लेकर जा रहे थे। मोगलहा स्थित बुलेट एजेंसी के पास पीछे से आ रही रोडवेज बस ने बाइक में टक्कर मार दी। गुलरिहा क्षेत्र के मोगलहा स्थित बुलेट एजेंसी के पास बृहस्पतिवार सुबह तेज रफ्तार रोडवेज बस ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी।

हादसे में बाइक पर सवार महिला और उसके 27 दिन के नवजात बेटे की मौके पर ही मौत हो गई जबकि महिला के ससुर को मामूली चोटें आईं। सूचना पर पहुंची गुलरिहा पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटना में शामिल रोडवेज बस को कब्जे में ले लिया है। हादसे के बाद से मौके पर जाम लग गया। जानकारी के मुताबिक, महराजगंज जिले के पनियरा थाना क्षेत्र के जंगल बड़हरा निवासी निजामुद्दीन बृहस्पतिवार सुबह बाइक से बहू अफसाना (35), पत्नी अजबुद्दीन और 27 दिन के पोते हमजा को इलाज के लिए गोरखपुर लेकर जा रहे थे।

महाराष्ट्र में 6,600 करोड़ का निवेश करेगी नोवोनेसिस; एंजाइम प्लांट का करेगी विस्तार

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय कंपनी नोवोनेसिस महाराष्ट्र में अपने पातालगंगा स्थित संयंत्र का विस्तार करने जा रही है। इसके साथ ही कंपनी यहां दुनिया की सबसे उन्नत एंजाइम उत्पादन इकाइयों में से एक स्थापित करेगी। इस परियोजना के लिए कंपनी ६,६६० करोड़ रुपये से अधिक (६०० मिलियन यूरो) का निवेश करेगी। इस निवेश से नोवोनेसिस की उत्पादन क्षमता बढ़ेगी। साथ ही, कंपनी के बायोसोल्यूशन्स की वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी और उसका वैश्विक आपूर्ति नेटवर्क अधिक लचीला और सक्षम बनेगा। पातालगंगा परियोजना का विस्तार नोवोनेसिस की रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और कंपनी के विकास लक्ष्यों को हासिल करने में इसकी अहम भूमिका होगी। इस परियोजना के २०३० तक पूरी क्षमता के साथ संचालित होने की संभावना है। यहां बायोफ्यूल्स, घरेलू देखभाल उत्पादों तथा खाद्य एवं पेय उद्योगों के लिए आवश्यक एंजाइम्स का उत्पादन किया जाएगा। नोवोनेसिस की प्रेसिडेंट एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस्टर बायगेट ने कहा, ₹पातालगंगा परियोजना का विस्तार हमारी विकास रणनीति को आगे बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सतत विकास के लिए निवेश करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। इस विस्तार से दुनिया भर के ग्राहकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करने की हमारी क्षमता बढ़ेगी और हमारे शेयरधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन जारी रखने में मदद मिलेगी। नोवोनेसिस के मुख्य संचालन अधिकारी अँडर्स लूंड ने कहा, विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों में बायोसोल्यूशन्स की मांग लगातार बढ़ रही है। इसलिए हमारी वैश्विक उत्पादन क्षमता का विस्तार करना हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है। पातालगंगा परियोजना के विस्तार से हमारी उत्पादन क्षमता बढ़ेगी, परिचालन दक्षता में सुधार होगा और आपूर्ति व्यवस्था अधिक लचीली बनेगी। इतना ही नहीं, इससे हम विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बाजारों के ग्राहकों के और करीब पहुंच सकेंगे।

नवरतन राठी बने काशी क्षेत्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

* बोले-संगठन को संवाद, सक्रियता और जनसरोकारों से मिलेगी नई दिशा

* काशी में व्यापारी समाज की आवाज को और बुलंद करने का संकल्प

-सुरेश गांधी

वाराणसी. काशी क्षेत्र के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर नवरतन राठी के मनोनयन से व्यापारी, सामाजिक और मीडिया जगत में हर्ष का माहौल है। लंबे समय से सामाजिक एवं व्यापारी गतिविधियों से जुड़े राठी के मनोनयन पर शुभचिंतकों और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने बधाई दी। लोगों का कहना है कि मीडिया क्षेत्र में वर्षों के अनुभव और सामाजिक सरोकारों से उनके जुड़ाव का लाभ संगठन को मिलेगा।

नए दायित्व के साथ राठी ने व्यापारी समाज की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने, संगठन और व्यापारियों के बीच संवाद को मजबूत करने तथा जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि पद उनके लिए सम्मान से अधिक जिम्मेदारी है और कोशिश होगी कि व्यापारी समाज की समस्याओं को केवल ज्ञापन और बैठकों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि संबंधित स्तर पर प्रभावी ढंग से उठाया जाए।

उन्होंने कहा कि बदलते दौर में व्यापारियों के सामने बाजार, प्रशासनिक प्रक्रियाओं, सुविधाओं और अन्य कई तरह की चुनौतियां हैं। इन मुद्दों पर व्यापारियों से लगातार संवाद कर उनकी वास्तविक समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए संगठित प्रयास करना उनकी प्राथमिकताओं में रहेगा। राठी ने यह भी कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए वरिष्ठों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा को साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। काशी क्षेत्र में संगठनात्मक गतिविधियों को विस्तार देने, व्यापारियों को अधिक प्रभावी मंच उपलब्ध कराने और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर सक्रिय भूमिका निभाने का प्रयास किया जाएगा। मीडिया से लंबे समय से जुड़े होने के कारण जनसरोकारों और संवाद की अहमियत को समझने वाले राठी ने कहा कि व्यापारी समाज की आवाज को व्यापक स्तर तक पहुंचाने में संचार की भूमिका महत्वपूर्ण है। उनका प्रयास रहेगा कि व्यापारियों की समस्याओं और सुझावों को उचित मंच तक पहुंचाने के लिए संवाद की निरंतर प्रक्रिया कायम रहे।

उनके मनोनयन को लेकर व्यापारी और सामाजिक क्षेत्र में उम्मीद जताई जा रही है कि नए दायित्व के साथ राठी संगठनात्मक सक्रियता को नई गति देंगे और काशी क्षेत्र में व्यापारी समाज के हितों से जुड़े मुद्दों को मजबूती से उठाने में अपनी भूमिका निभाएंगे।

13 साल की मासूम को देहव्यापार में धकेलने वाला सेक्स रैकेट बेनकाब

मीरा रोड (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की महिला अत्याचार प्रतिबंधक एवं विशेष बालक संरक्षण व काळजी कक्ष की क्राइम ब्रांच टीम ने मीरा रोड पूर्व में चल रहे देहव्यापार के एक गंभीर मामले का पदार्फाश किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक महिला और एक पुरुष एजेंट को गिरफ्तार किया, जबकि एक अन्य पुरुष आरोपी फरार बताया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान 13 वर्षीय नाबालिग सहित दो पीड़ित युवतियों को देहव्यापार के दलदल से सुरक्षित बाहर निकाला गया।

पुलिस के अनुसार, क्राइम ब्रांच को गुप्त सूचना मिली थी कि मीरा रोड पूर्व स्थित शीतल नगर, शाही होटल के सामने शीतल आर्केड बिल्डिंग की दूसरी मंजिल के एक कमरे से महिला और पुरुष एजेंट ग्राहकों को लड़कियां उपलब्ध करा रहे हैं। सूचना की पुष्टि के बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल मुंढे के मार्गदर्शन में टीम ने बोगस ग्राहक और पंच को भेजकर जाल बिछाया। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर छापेमारी कर एक महिला और एक पुरुष एजेंट को गिरफ्तार किया तथा वहां मौजूद दो पीड़ित युवतियों—एक 13 वर्षीय नाबालिग और एक बालिग युवती—को रेस्क्यू किया। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी कथित रूप से ग्राहकों को युवतियों के फोटो भेजकर उनसे संपर्क करते थे और मीरा रोड स्थित उक्त कमरे में लड़कियों को उपलब्ध कराया जाता था। पुलिस को आशंका है कि यह गतिविधि पिछले चार-पांच वर्षों से संचालित की जा रही थी। हालांकि इस संबंध में पुलिस की विस्तृत जांच जारी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरफ्तार आरोपियों के साथ इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं तथा अब तक कितनी युवतियों को इस अवैध धंधे में धकेला गया।

जे. कुमार इन्फ्राप्रोजेक्ट्स ने संरक्षण के प्रयासों को तेज किया

J. Kumar
Since 1980

मुंबई। देश में बड़े पैमाने पर शहरी बुनियादी ढांचे का विकास करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर देते हुए जे. कुमार इन्फ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड (JKIL) ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देशभर में अपनी परियोजना साइटों पर 18,962 पेड़ लगाए और 4,489 पेड़ों का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया। मुंबई, अहमदाबाद, सूरत और पुणे में चल रहे मेट्रो कॉरिडोर जैसे जटिल और महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स को पूरा करते हुए कंपनी ने पेड़ों की कटाई को कम करने और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी है। इसके तहत स्थानीय हरियाली और जैव विविधता को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर पेड़ों का प्रत्यारोपण किया गया। ठाणे के आनंद साकेत रोड प्रोजेक्ट में 31 पेड़ों के प्रभावित होने के बाद कंपनी ने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए 310 मैंग्रोव पौधे लगाए। JKIL ने अपनी निर्माण गतिविधियों में पर्यावरण के अनुकूल उपायों को अपनाते हुए BS-VI मानकों वाले निर्माण उपकरणों का इस्तेमाल बढ़ाया है। भूमिगत सुरंग परियोजनाओं में बैटरी से चलने वाले लोकोमोटिव भी लगाए गए हैं। इसके अलावा, कंपनी ने अपनी सभी परियोजना साइटों पर पुराने लाइटिंग सिस्टम को बदलकर ऊर्जा की कम खपत वाली LED लाइटें लगाई हैं। इन उपायों के चलते कंपनी के Scope 1 और Scope 2 उत्सर्जन की तीव्रता में भी कमी आई है। वित्त वर्ष 2025-26 में यह घटकर प्रति करोड़ रुपये के टर्नओवर पर 8.93 मीट्रिक टन CO_2 समतुल्य रह गई, जो पिछले वित्त वर्ष में 9.13 मीट्रिक टन थी। जे. कुमार इन्फ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कमल जे. गुप्ता ने कहा, हमारा मानना है कि टिकाऊ बुनियादी ढांचे का विकास केवल परियोजनाओं को पूरा करने तक सीमित नहीं है। इसमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाना और जिन समुदायों के बीच हम काम करते हैं, उनके साथ सार्थक रूप से जुड़ना भी शामिल है।

ऊषा देवी के जन्मदिन पर पति के के मिश्रा बच्चन ने किया याद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वडाला पश्चिम निवासी पंडित समाजसेवी व ओडिसी क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी के संचालक तथा दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र संरक्षक कृष्णकांत मिश्रा बच्चन की धर्मपत्नी श्रीमती ऊषा मिश्रा का निधन दिनांक 13 मार्च 2026 दिन शुक्रवार को हो गया था। श्रीमती ऊषा मिश्रा का जन्मदिन आज दिनांक 3 सितंबर 2026 दिन गुरुवार को उनके पति कृष्णकांत मिश्रा ने याद करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं। लेकिन मेरे दिलो-दिमाग में आज उनके द्वारा किये गये कार्य हमेशा याद रहता हैं। सुपुत्र डेंटल सर्जन डॉ सागर मिश्रा ने जन्मदिन पर याद करते हुए कहा कि मां जब हमारे साथ होती है, तब उसकी मौजूदगी हमें इतनी स्वाभाविक लगती है कि हम कई बार यह सोच ही नहीं पाते कि हमारे जीवन में उनका स्थान कितना बड़ा है। दुसरे पुत्र अमन मिश्रा ने जन्मदिन पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि जब वही मां हमेशा के लिए चली जाती है, तब घर वही रहता है, कमरे भी वही रहते हैं फिर भी घर में अपनापन और वह सुकून नही रहता, मां के बिना जीवन अधुरा सा रहता है। पुत्र वधू डॉ श्रीमती प्रियंका मिश्रा, कमलाकांत मिश्रा, शिवाकांत मिश्रा, अशोक मिश्रा, संतोष मिश्रा, सुनील मिश्रा, सौरभ मिश्रा , प्रथमेश मिश्रा, शुभम मिश्रा ने जन्मदिन पर याद किया और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

वार्ड स्तरीय लोकनृत्य प्रतियोगिता में एन.के.ई.एस. स्कूल की शानदार दोहरी जीत

मुंबई। मुंबई-वडाला स्थित एन.के.ई.एस. हाई स्कूल ने वार्ड स्तरीय लोकनृत्य प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। यह प्रतियोगिता 27 अगस्त 2026 को गुरुनानक स्कूल में आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता के जूनियर एवं सीनियर दोनों विभागों में लगभग 30 से 35 विद्यालयों ने भाग लिया। विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी लोकसंस्कृति को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

एन.के.ई.एस. हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति, शानदार तालमेल, आत्मविश्वास और अनुशासन से निर्णायकों को प्रभावित किया। विद्यालय के जूनियर ग्रुप और सीनियर ग्रुप दोनों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। दोनों विभागों में जीत हासिल करना विद्यालय के लिए विशेष गौरव की बात है। विद्यार्थियों की इस सफलता में उनके निरंतर अभ्यास और शिक्षिकाओं के कुशल मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। लोकनृत्य प्रतियोगिता की तैयारी और विद्यार्थियों के मार्गदर्शन की जिम्मेदारी श्रीमती प्रिया पिल्ले एवं श्रीमती शकुंतला वाघ ने संभाली। दोनों शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को लगातार अभ्यास कराया और उन्हें प्रतियोगिता के लिए बेहतर ढंग से तैयार किया। विद्यालय के दोनों समूहों की शानदार सफलता पर प्रधानाचार्य, शिक्षकगण एवं समस्त विद्यालय परिवार ने विजेता विद्यार्थियों और उनकी मार्गदर्शक शिक्षिकाओं को हार्दिक बधाई दी। एन.के.ई.एस. हाई स्कूल की यह दोहरी जीत विद्यार्थियों की प्रतिभा, मेहनत, एकजुटता और शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन का परिणाम है। इस उपलब्धि से पूरे विद्यालय में खुशी और उत्साह का वातावरण है तथा विद्यार्थियों ने अपनी सफलता से विद्यालय के गौरव में एक और उपलब्धि जोड़ दी है।

पीएनबी का पहला एआई शिखर सम्मेलन 2026 एआई-संचालित बैंकिंग के भविष्य को आकार देने के लिए बैंकिंग, नीतिगत और प्रौद्योगिकी जगत के लीडर्स एक साथ आए

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र में भारत के अग्रणी बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने द्वारका, नई दिल्ली स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में इनोवेट, इंटीग्रेट एंड एलीवेट थीम पर केंद्रित पहले पीएनबी एआईसमिट 2026 का समापन किया। किसी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक द्वारा आयोजित पहले समर्पित एआई सम्मेलनों में से एक के रूप में एक महत्वपूर्ण कीर्तिमान स्थापित करते हुए, इस दो दिवसीय सम्मेलन ने वित्तीय सेवाओं में एआई-संचालित बदलाव के अगले चरण पर विचार-विमर्श करने के लिए नीति निमार्ताओं, नियामकों, बैंकिंग और प्रौद्योगिकी के दिग्गजों, फिनटेक और शिक्षाविदों को एक मंच पर लाने का काम किया।

इस शिखर सम्मेलन के अवसर पर वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के अतिरिक्त सचिव डॉ. देबाशीष प्रुस्ती, पीएनबी के एमडी एवं सीईओ अशोक चंद्र, आईबीए के मुख्य कार्यकारी अतुल कुमार गोयल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के क्यूटीसी प्रमुख डॉ. जे.बी.वी. रेड्डी, आईएस सलाहकार गुलशन राय एवं डीन, आईआईटी कानपुर डॉ प्रतीक सेन, डीएफएस, आरबीआई व आईबीए के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उपस्थित रहे। इस चर्चा में एनपीसीआई, एनईजीडी, डीबीएस, एमिरेट्स एनबीडी, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, एसबीआई लाइफ, एडब्लूएस, एनवीआईडीआईए, माइक्रोसॉफ्ट, गूगल और इंफोसिस फिनैकल, मैकिन्जी, बीसीजी, गार्टनर, पीडब्ल्यूसी, ईवाई, आईआईआईटी हैदराबाद और आईएसबी हैदराबाद जैसी संस्थाओं के लीडर्स व विशेषज्ञों की भागीदारी रही।

डीएफएस के अपर सचिव, डॉ. देबाशीष प्रुस्ती ने कहा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में स्मार्ट क्रेडिट डिलीवरी, प्रिडिक्टिव रिस्क मैनेजमेंट, रियल-टाइम फ्रॉड डिटेक्शन और अत्यधिक व्यक्तिगत ग्राहक अनुभव प्रदान करके बैंकिंग के अर्थशास्त्र को मौलिक रूप से बदलने की क्षमता है। भारत के लिए, यूपीआई, अकाउंट एग्रीगेटर और सीकेवाईसी जैसे हमारे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ एआई का संगम वित्तीय सेवाओं को अधिक सुलभ, किफायती और उत्तरदायी बनाकर वित्तीय समावेशन को अगले स्तर पर ले जा सकता है,

स्पेशलिटी केमिकल्स कंपनी प्रासोल केमिकल्स लिमिटेड का आईपीओ 8 सितंबर को खुलेगा

आईपीओ का मूल्य दायरा 643 से 676 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य रु 2 है

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रासोल केमिकल्स लिमिटेड (कंपनी) अपने रु 2 अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयरों के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार, 8 सितंबर 2026 को खोलने जा रही है। एंकर निवेशकों के लिए बोली की तारीख आईपीओ खुलने से एक कार्यदिवस पहले यानी सोमवार, 7 सितंबर 2026 होगी। बोली/ऑफर बंद होने की तारीख गुरुवार, 10 सितंबर 2026 तय की गई है। आईपीओ के लिए रु 643 से रु 676 प्रति इक्विटी शेयर का मूल्य दायरा तय किया गया है। प्रत्येक शेयर का अंकित मूल्य रु 2 है। निवेशक न्यूनतम 22 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे और इसके बाद 22 शेयरों के गुणकों में बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में रु 800.00 मिलियन तक का फ्रेश इश्यू और रु 4,200.00 मिलियन तक का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। इस तरह कुल आईपीओ का आकार रु 5,000.00 मिलियन है। कंपनी आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का इस्तेमाल कुछ कर्जी के पुनर्भुगतान और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। कंपनी की स्थापना 1992 में हुई थी और उसे स्पेशलिटी केमिकल्स उद्योग में 33 वर्षों से अधिक का अनुभव है। कंपनी एसीटोन और फॉस्फोरस आधारित स्पेशलिटी केमिकल्स के साथ-साथ जटिल और अलग तरह की रासायनिक प्रक्रियाओं से बनने वाले अन्य स्पेशलिटी केमिकल्स का उत्पादन करती है। कंपनी के पोर्टफोलियो में 150 से अधिक स्पेशलिटी केमिकल उत्पाद शामिल हैं। 15 जुलाई 2026 तक कंपनी के 1,600 से अधिक ग्राहक हैं और वह 69 देशों को निर्यात करती है। कंपनी के उत्पादों का इस्तेमाल विभिन्न उद्योगों में होता है। इसके पांच प्रमुख कारोबार खंड हैं- (क) परफॉर्मेंस केमिकल्स, जिसमें लुब्रिकेंट एडिटिव्स और माइनिंग केमिकल्स शामिल हैं, (ख) पीआईसीए यानी पेंट्स, इंक, कंस्ट्रक्शन और एडहेसिव्सः (ग) फार्मास्युटिकल्सः (घ) एग्रोकेमिकल्स, और (ङ) होम एवं पर्सनल केयर। यह आईपीओ एससीआरआर के नियम 19 (2) (बी) और सेबी आईसीडीआर नियमों के विनियम 31 के तहत पेश किया जा रहा है। आईपीओ बुक बिल्डिंग प्रक्रिया के माध्यम से सेबी आईसीडीआर नियमों के विनियम 6 (1) के तहत जारी किया जा रहा है। आईपीओ के 50 प्रतिशत से अधिक हिस्से को योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध नहीं रखा जाएगा। कंपनी, बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) से परामर्श के बाद, क्यूआईबी हिस्से के अधिकतम 60 प्रतिशत तक हिस्से को एंकर निवेशकों को विवेकाधीन आधार पर आवंटित कर सकती है। एंकर निवेशक हिस्से के 40 प्रतिशत हिस्से को इस प्रकार आरक्षित किया जाएगा। (i) 33.33 प्रतिशत घरेलू म्यूचुअल फंड के लिए और (ii) 6.67 प्रतिशत भारतीय बीमा अधिनियम, 1938 के तहत बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) में पंजीकृत जीवन बीमा कंपनियों तथा पेंशन फंड विनियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 के तहत पेंशन फंड विनियामक एवं विकास प्राधिकरण में पंजीकृत पेंशन फंड के लिए।

विकसित भारत और सुरक्षित भारत के निर्माण के लिए विकास और सुरक्षा का साथ-साथ चलना जरूरी: पंकज भोयर

मुंबई। भारत में तेजी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगिक विस्तार और बुनियादी ढांचे के विकास के साथ देश को न केवल वैश्विक अग्नि एवं सुरक्षा तकनीकों को अपनाने की जरूरत है, बल्कि स्वदेशी तकनीक और समाधान विकसित कर उन्हें दुनिया तक पहुंचाने की भी आवश्यकता है। यह बात महाराष्ट्र सरकार के खनन, सहकारिता एवं स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. पंकज भोयर ने मुंबई में आयोजित 9वें फायर एंड सिक्योरिटी इंडिया एक्सपो 2026 के उद्घाटन अवसर पर कही।

मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया की भूमिका पर जोर देते हुए डॉ. भोयर ने कहा कि भारत को दुनिया से तकनीक खरीदने से आगे बढ़कर दुनिया के लिए तकनीक विकसित करने की दिशा में काम करना चाहिए। इसके साथ ही देश में एक मजबूत और आत्मनिर्भर अग्नि सुरक्षा तंत्र विकसित करना भी जरूरी है। कार्यक्रम में उपस्थित महाराष्ट्र सरकार की शहरी विकास, परिवहन, सामाजिक न्याय, चिकित्सा शिक्षा एवं अल्पसंख्यक विकास राज्य मंत्री श्रीमती माधुरी मिसाल ने कहा कि अग्नि सुरक्षा को भवन निर्माण पूरा होने के बाद केवल अनुपालन की प्रक्रिया के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे डिजाइन और निर्माण के शुरूआती चरण से ही भवन का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसमें भवन की संरचना, विद्युत एवं जल प्रणालियां, निकासी व्यवस्था, अग्निशमन प्रणालियां तथा भवन के पूरे जीवनचक्र के दौरान उनकी नियमित जांच और रखरखाव शामिल होना चाहिए। डॉ. पंकज भोयर ने कहा कि भारत के विकास के साथ सुरक्षा तैयारियों को भी मजबूत करना होगा। इसके लिए नवाचार, उन्नत तकनीक, प्रशिक्षित पेशेवरों और प्रभावी क्रियान्वयन की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने उद्यमियों, निमार्ताओं, स्टार्टअप्स और टेक्नोलॉजी कंपनियों से महाराष्ट्र में निवेश और उत्पादन बढ़ाने तथा राज्य में विकसित सुरक्षा समाधानों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का आह्वान किया। डॉ. भोयर ने कहा, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया के माध्यम से हमें दुनिया से केवल तकनीक खरीदने तक सीमित नहीं रहना है, बल्कि दुनिया के लिए तकनीक विकसित करनी है। आइए, यहीं निर्माण करें, यहीं उत्पादन करें और यहीं रोजगार के अवसर पैदा करें तथा महाराष्ट्र में विकसित सुरक्षा समाधानों को पूरी दुनिया तक पहुंचाएं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्रीमती माधुरी मिसाल ने कहा कि अग्नि सुरक्षा को केवल मंजूरी और प्रमाणपत्र प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखा जा सकता। इसके लिए नियमित निरीक्षण, परीक्षण, रखरखाव और अनुपालन की निरंतर प्रक्रिया जरूरी है। उन्होंने कहा, अग्नि सुरक्षा केवल फायर एक्सटिंग्विशर लगाने या फायर एनओसी प्राप्त करने तक सीमित नहीं हो सकती। सुरक्षा एक सतत प्रक्रिया होनी चाहिए, जिसमें भवन के पूरे जीवनचक्र के दौरान सभी सुरक्षा प्रणालियों का नियमित निरीक्षण, परीक्षण और रखरखाव किया जाए।

'इंडिया@2047 समिट' में 'एमईटी' सम्मानित

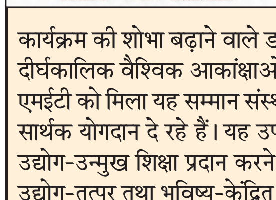

मुंबई। मुंबई एजुकेशनल ट्रस्ट (एमईटी) को आईआईटी दिल्ली में आयोजित 'इंडिया@2047 लीडरशिप, इनोवेशन एंड ग्लोबल पावर समिट एंड अवार्ड्स' में ₹लीडिंग मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशन ग्रुप ऑफ द ईयर झ महाराष्ट्र₹ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। प्रसिद्ध सांसद, लेखक एवं पूर्व राजनयिक डॉ. शशि थरूर के हाथों श्रीमती विशाखा भुजबल ने एमईटी की ओर से यह सम्मान प्राप्त किया। यह पुरस्कार बहुविषयक शिक्षा प्रदान करने के क्षेत्र में संस्थान की निरंतर उत्कृष्टता को रेखांकित करता है। मुख्य अतिथि और मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने वाले डॉ. शशि थरूर ने देश की शैक्षणिक, कॉर्पोरेट और सरकारी संस्थाओं को भारत की दीर्घकालिक वैश्विक आकांक्षाओं के साथ तालमेल बिठाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस शिखर सम्मेलन में एमईटी को मिला यह सम्मान संस्थान को उन संगठनों की श्रेणी में खड़ा करता है, जो राष्ट्रीय विकास की चचाओं में सार्थक योगदान दे रहे हैं। यह उपलब्धि एमईटी की अपनी 'लीग ऑफ कॉलेजेज' के माध्यम से बहुविषयक और उद्योग-उन्मुख शिक्षा प्रदान करने की नेतृत्व क्षमता को पुनः सिद्ध करती है। यह सम्मान महाराष्ट्र और देश भर में उद्योग-तत्पर तथा भविष्य-केंद्रित शिक्षा के निर्माण में एमईटी के योगदान को मान्यता देने वाली उपलब्धियों की सूची में एक और अध्याय जोड़ता है। इस सम्मान पर अपने विचार व्यक्त करते हुए, एमईटी के माननीय ट्रस्टी श्री पंकज भुजबल ने कहा, यह पुरस्कार हमारे पूरे संस्थान के लिए गर्व का क्षण है। यह हमारे इस विश्वास को और मजबूत करता है कि बहुविषयक और उद्योग-उन्मुख शिक्षा ही भारत के युवाओं का भविष्य है। वर्ष 2047 तक भारत की विकास यात्रा से जुड़ी चचाओं को आकार देने वाले मंच पर सम्मानित होना, हमें राष्ट्र-निर्माण में शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी का अहसास कराता है। हम इस दृष्टिकोण के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

नेयाज खालिद नूर को टाइम्स रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव 2026 में सम्मान

पटना। लुहैफ डेवलपर्स के नेयाज खालिद नूर को 30 अगस्त को गुरुग्राम के ग्रैंड हयात में आयोजित टाइम्स रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव 2026 में ह्यरणनीतिक व्यावसायिक नेतृत्व में उत्कृष्टताह्व पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने पुरस्कार समारोह के दौरान उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। यह पुरस्कार नूर के व्यावसायिक नेतृत्व और विशिष्ट पेट्रोलियम अवसंरचना क्षेत्र में लुहैफ डेवलपर्स के कार्यों की सराहना के रूप में दिया गया। कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड सहित प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों से जुड़ी अवसंरचना विकास एवं निर्माण परियोजनाओं पर काम करती है। पेट्रोलियम क्षेत्र की परियोजनाओं में सुरक्षा प्रोटोकॉल, नियामकीय आवश्यकताओं और तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन जरूरी होता है।

मराठी ZEE5 की नई फिल्म अदकित्ता माता-पिता बनने, भरोसे और लगाव की कहानी पेश करती है

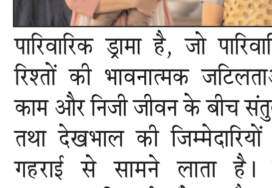

मुंबई। दर्शकों के लिए वास्तविक भावनाओं और उनसे जुड़ी मानवीय कहानियाँ प्रस्तुत करने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, मराठी मराठी ZEE5 11 सितंबर 2026 को अदकित्ता का प्रीमियर करने जा रहा है। रिश्तों, पारिवारिक संबंधों और आज की सामाजिक वास्तविकताओं को दर्शाने वाली अपनी प्रभावशाली मराठी ओरिजिनल्स की बढ़ती सूची में शामिल अदकित्ता एक ऐसी रोमांचक और भावनात्मक कहानी पेश करती है, जो माता-पिता बनने, विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव की जटिलताओं को गहराई से उजागर करती है। आशुतोष परांदकर के निर्देशन में और मंगेश पवार एंड कंपनी तथा जैकपॉट एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित अदकित्ता एक प्रभावशाली पारिवारिक ड्रामा है, जो पारिवारिक रिश्तों की भावनात्मक जटिलताओं, काम और निजी जीवन के बीच संतुलन तथा देखभाल की जिम्मेदारियों को गहराई से सामने लाता है। सई ताम्हणकर, सिद्धार्थ चांदेकर और सखी गोखले अभिनीत यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम को एक ऐसी कहानी के लिए साथ लाती है, जो बेहद व्यक्तिगत और भावनात्मक रूप से दिल को छू लेने वाली है। भावनात्मक गहराई के साथ एक सहज और दर्शकों से जुड़ने वाली कहानी को प्रस्तुत करते हुए, अदकित्ता मराठी एए5 की ऐसी अनूठी कहानियाँ पेश करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करती है, जो दर्शकों को सोचने और चर्चा करने के लिए प्रेरित करती हैं और साथ ही मानवीय भावनाओं से गहराई से जुड़ी रहती हैं।

अदकित्ता की कहानी गौतम और कस्तूरी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक खुशहाल और आत्मनिर्भर दंपति हैं, जिन्होंने अपने करियर पर ध्यान देते हुए अपने घर-परिवार से दूर एक आरामदायक ज़िंदगी बनाई है। लेकिन परिवार शुरू करने का उनका फैसला उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल देता है। कठिन गर्भावस्था और अपने समय से पहले जन्मे बेटे ओंकार के जन्म के बाद, यह दंपति एक ओर माता-पिता बनने की चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियों को निभाने की कोशिश करता है, तो दूसरी ओर अपने पेशेवर जीवन को भी संभालने का प्रयास करता है। मंगल का किरदार निभाने वाली सई ताम्हणकर ने कहा, मंगल एक ऐसा किरदार है, जो गौतम और कस्तूरी की जिंदगी में एक बेहद अप्रत्याशित समय पर आती है और धीरे-धीरे उनकी जिंदगी के सफर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाती है। मुझे उसके किरदार की सबसे दिलचस्प बात यह लगी कि वह जैसी नजर आती है, उसके व्यक्तित्व में उससे कहीं ज्यादा गहराई है। गौतम का किरदार निभाने वाले सिद्धार्थ चांदेकर ने कहा, गौतम को लगता है कि उसने अपनी जिंदगी को पूरी तरह समझ लिया है और सब कुछ सही तरीके से व्यवस्थित कर लिया है, लेकिन माता-पिता बनते ही उसकी जिंदगी का पूरा समीकरण बदल जाता है।

मेल्टिंग पॉट फूड प्रोडक्ट्स ने मशहूर सेलिब्रिटी शेफ हरपाल सिंह सोखी को इन्वेस्टर और ब्रांड एंबेसडर के रूप में जोड़ा

मुंबई। नवी मुंबई स्थित FMCG कंपनी मेल्टिंग पॉट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने आधिकारिक रूप से घोषणा की है कि भारत के लोकप्रिय सेलिब्रिटी शेफ, पाक विशेषज्ञ और रेस्टॉरेंट व्यवसायी शेफ हरपाल सिंह सोखी कंपनी से बतौर निवेशक और अपने प्रमुख ब्रांड इंची के ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़ गए हैं। 2017 में स्थापित और निखिल भारती, आर. पी. चटर्जी और मनीष पारडिवाला के नेतृत्व में संचालित इंची ने इंडो-चाइनीज सेगमेंट में तेजी से अपनी पहचान बनाई है। आज यह ब्रांड 100 से अधिक उत्पादों के विविध पोर्टफोलियो के साथ एक घरेलू पसंद बन चुका है। इसके उत्पादों में लोकप्रिय शेजवान डिप और स्प्रेड्स, नूडल्स, सॉसेज, गॉरमेट एवं इंस्टेंट सूप्स और खास कुकिंग मसाले शामिल हैं, जो घर पर रेस्टॉरेंट-स्टाइल इंडो-चाइनीज व्यंजन बनाना आसान बनाते हैं।

इस रणनीतिक साझेदारी के महत्व पर बात करते हुए मेल्टिंग पॉट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर निखिल भारती ने कहा, उपभोक्ताओं द्वारा पसंद और सराहे जाने वाले उत्पादों की विस्तृत रेंज के साथ आज ब्रांड इंची और कंपनी हमारी यात्रा के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर हैं और हम तेज विकास के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हम ऐसे ब्रांड फेस की तलाश में थे, जिसे हमारे उत्पादों की तरह ही व्यापक स्तर पर पसंद किया जाता हो और जो इंडो-चाइनीज कैटेगरी में गहरा विश्वास रखता हो। शेफ हरपाल इस भूमिका के लिए बिल्कुल सही हैं। उनके जुड़ने और रणनीतिक सहयोग से हमें पूरा विश्वास है कि हम अगले 5 वर्षों में अपने कारोबार को ?500+ करोड़ तक ले जाने में सफल होंगे। अपने निवेश और साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए शेफ हरपाल सिंह सोखी ने कहा, मैं नहीं चाहता था कि यह सिर्फ एक और एंडोर्समेंट हो। मैं ऐसे ब्रांड में निवेश करना चाहता था, जिसके विजन पर मुझे वास्तव में विश्वास हो। मेल्टिंग पॉट फूड प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के निखिल और उनकी टीम को आज के उपभोक्ताओं की जरूरतों की स्पष्ट समझ है और मुझे इस विजन में अपनी क्यूलिनरी विशेषज्ञता को जोड़ने का एक बेहतरीन अवसर नजर आया।

कंपनी का नेतृत्व तीन अनुभवी डायरेक्टर्स – निखिल भारती, आर. पी. चटर्जी और मनीष पारडिवाला – द्वारा किया जाता है। तीनों के पास भारतीय FMCG इंडस्ट्री और इंडो-चाइनीज कैटेगरी में दो दशकों से अधिक का व्यापक अनुभव है। उनकी सामूहिक विशेषज्ञता और बाजार की गहरी समझ के दम पर कंपनी अगले 5 वर्षों में 10 से अधिक वृद्धि हासिल करने की दिशा में अग्रसर है।